दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास....

क्यों है भगवान शिव का प्रिय महीना ...8

सिद्धार्थनगर
शुक्रवार , 31 जुलाई 2026
वर्ष: 13 अंक : 222 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित ।

सम्पादक : राजेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

योगी आदित्यनाथ ने सपा-कांग्रेस पर साधा निशाना, कहा- इन पार्टियों ने गाजीपुर के लिए पहचान का संकट पैदा कर दिया

गाजीपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को गाजीपुर का दौरा किया और 692 करोड़ रुपये की लागत वाली 268 जन–कल्याणकारी परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास कार्यक्रम में हिस्सा लिया। लोगों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर तीखा हमला बोला और कहा कि इन पार्टियों ने गाजीपुर के लिए पहचान का संकट पैदा कर दिया था। सीएम योगी ने गाजीपुर की अहमियत बताई: गाजीपुर में सीएम योगी ने कहा कि उन लोगों को याद करें जिन्होंने 1971 की भारत–पाकिस्तान लड़ाई में अपनी बहादुरी दिखाई थी। शहीद राम उग्र पांडे भी इसी पवित्र ध रती से थे। उनकी बहादुरी को देखते हुए उन्हें मरणोपरांत भारतीय सेना के अहम सम्मान श्महावीर चक्रश से नवाजा गया था। श्री कुबेरनाथ राय हिंदी साहित्य के मशहूर निबंधकार और विद्वान थे। कहा जाता है कि गोपाल राय ने गोपालराम गहमरी, यानी शगहमरी बाबूश के नाम से 200 से ज्यादा उपन्यास लिखे थे। हमारा गाजीपुर जिला, जिसने इतनी महान हस्तियों को जन्म दिया, गुमनाम क्यों हो गया? इसका नाम क्यों डूब गया? लोग इस जिले का नाम लेने से क्यों कांपते थे? वे यहाँ आने से क्यों डरते थे? पहचान का संकट किसने पैदा किया? पहचान का संकट पैदा करने वाले वही लोग हैं जिन्होंने कुछ नहीं किया, लेकिन आपके सामने पहचान का संकट जरूर खड़ा कर दिया। सीएम योगी ने आगे कहाजो लोग यह पहचान का संकट पैदा कर रहे हैं, वे वही लोग हैं जिन्होंने देश की रक्षा के लिए खुद को समर्पित करने वाले भारत के राष्ट्रीय नायकों का सम्मान करने के बजाय विदेशी हमलावरों का महिमामंडन किया। और आज मैं कह सकता हूँ कि **BJP-NDA** सरकार का यह डबल इंजन राष्ट्रीय नायकों का सम्मान करता है। 1000 साल पहले, सालार मसूद भारत को रौंदने के इरादे से आया था। भारत के उस महान व्यक्ति, उस राष्ट्रीय नायक ने सालार मसूद को रौंद डाला और बहराइच की चित्तौरा नाम की जगह पर उसे सबसे कड़ी सजा दी। वह महान व्यक्ति कोई और नहीं, बल्कि महाराज सुहेलदेव हैं। योगी ने कहा कि एसपी और कांग्रेस ने कभी भी महाराजा सुहेलदेव के नाम पर कोई कार्यक्रम नहीं होने दिया। उन्होंने कहा कि उन्होंने कभी कोई कार्यक्रम नहीं होने दिया। महाराजा सुहेलदेव जिनकी बहादुरी, वीरता और समझदारी ने इतने लंबे समय तक देश को विदेशी हमलावरों की क्रूरता से बचाया। उनके प्रति आभार व्यक्त करने के बजाय, कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने राष्ट्रीय नायकों का अपमान किया। ये लोग हमलावर गाजी सालार मसूद गाजी के लिए मेला आयोजित करते थे। जब हमारी सरकार सत्ता में आई, तो हमने मना कर दिया। सालार मसूद का मेला नहीं लगेगा। अगर मेला लगेगा, तो वह महाराजा सुहेलदेव की याद में लगेगा। और आज, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि बहराइच में उसी जगह पर हमने महाराजा सुहेलदेव की एक शानदार प्रतिमा स्थापित की हैकृएक शानदार प्रतिमा। एक शानदार स्मारक। अब वहां मेला लगता है और युवा उसमें शामिल होते हैं। हम महाराजा सुहेलदेव का भारत के राष्ट्रीय नायक के रूप में सम्मान करते हैं।

राज्यसभा में भी पास हुआ एंटी–पेपर लीक बिल

नकल माफियाओं पर बड़ा प्रहार

नई दिल्ली। लोकसभा से पारित हो चुका लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक–2026 गुरुवार को राज्यसभा में केंद्रीय राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने प्रस्तुत किया। लोकसभा के बाद अब ये बिल राज्यसभा से भी पास हो गया है। यह विधेयक राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद कानून बन जाएगा। इस बिल के जरिए सरकार नकल माफियाओं पर नकेल कसने की तैयारी में है।

राज्यसभा में एंटी–पेपर लीक बिल पास

संशोधित विधेयक के प्रविधानों का ब्योरा देते समय जब विपक्षी सांसदों ने बैठे–बैठे नारेबाजी और टिप्पणियां शुरू कीं तो केंद्रीय राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने चुटकी ली, शशायद तीर सही निशाने पर लगा है।श वहीं, विपक्ष ने कानूनी प्रविधानों को सुधार के लिए नाकाफी बताते हुए सरकार की नीयत पर प्रश्न खड़े किए। नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सरकार से पांच प्रश्न पूछते हुए कहा कि गृह मंत्री इनका जवाब दें या इस्तीफा दें । मानसून सत्र के आरंभ से सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच चल रही रस्साकशी गुरुवार को भी राज्यसभा में देखने को मिली। सुबह 11 बजे सदन की कार्यवाही शुरू होते ही विशेष रूप से कांग्रेस सदस्यों ने शगृह मंत्री सदन में आओश के नारे के साथ हंगामा शुरू कर दिया। इसके बावजूद जब सभापति सीपी राधाकृष्णन ने कार्यवाही को जारी रखा तो समूचा विपक्ष वॉकआउट कर गया, जो कि प्रश्न काल में भी नहीं लौटा। दोपहर दो बजे कार्यवाही फिर शुरू हुई तो पीएमओ में राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने पेपर लीक का विधेयक प्रस्तुत किया।

पीएम मोदी ने की हाई–लेवल बैठक

पश्चिम एशिया संकट पर भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर मंथन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में संसद में सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति की एक हाई–लेवल बैठक हुई, जिसमें देश के प्रमुख मंत्री और सुरक्षा अधि कारी शामिल रहे। सूत्रों के अनुसार, बैठक में पश्चिम एशिया के बदलते हालात और भारत की ऊर्जा सुरक्षा और ईंधन की सप्लाई पर इसके असर की समीक्षा की गई। बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, विदेश मंत्री एस. जयशंकर और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, किरेन रिजिजू और जेपी नड्डा शामिल हैं। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी और बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल भी मौजूद थे।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल सरकार और सुरक्षा विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ इस बैठक में शामिल हो रहे हैं। ईरान और अमेरिका के बीच कई विवादों के बीच, नाजुक युद्धविराम टूट गया। इसकी शुरुआत पूर्व सुप्रीम लीडर अली खामेनेई के अंतिम संस्कार के दौरान हुई, जब तेहरान ने खामेनेई की मौत का बदला लेने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को मारने की कसम खाई। इसके अलावा, होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर भी विवाद चल रहा थाय अमेरिका चाहता था कि यह शिपिंग रूट युद्ध से पहले वाली स्थिति में लौट आए, जबकि ईरान का कहना था कि वह इस अंतरराष्ट्रीय शिपिंग रूट से गुजरने के लिए टोल वसूलेगा। जल्द ही, इसके कारण ईरान के बुनियादी ढांचे पर अमेरिका और इजराइल ने बड़े पैमाने पर हवाई हमले किए और ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई में ड्रोन और मिसाइल हमले किए। ईरान ने खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाना शुरू कर दिया और ट्रंप ने भी जोरदार हमलों की धमकी देनी शुरू कर दी। राज्यसभा में, केंद्रीय राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने शसार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026श को विचार और पारित करने के लिए पेश किया।

लोकसभा से बुधवार को पारित हुए इस विधेयक का मकसद परीक्षा से जुड़ी गड़बड़ियों के खिलाफ कानूनी ढांचे को मजबूत करना है। इसके लिए पेपर लीक के मामलों में सजा बढ़ाना, जांच के लिए स्पेशल टास्क फोर्स बनाना और समय पर सुनवाई सुनिश्चित करने के लिए स्पेशल फास्ट–ट्रैक कोर्ट का प्रावधान करना शामिल है।

सोनम वांगचुक ने बंदे भारत ट्रेन की सराहना की, पर जंतर मंतर के वादे पूरे करने को भी कहा

एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने गुरुवार को भारतीय रेलवे की तारीफ की। साथ ही, उन्होंने केंद्र सरकार से अप्रत्यक्ष रूप से अपील की कि वह नीट पेपर लीक के आरोपों को लेकर जंतर–मंतर पर हुए विरोध ा प्रदर्शन के दौरान छात्रों से किए गए वादों को पूरा करे। एक्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो मैसेज में, वांगचुक ने दिल्ली से श्रीनगर तक वंदे भारत एक्सप्रेस में अपने सफर का अनुभव साझा किया। उन्होंने इस यात्रा को शानदार अनुभव बताया और भारतीय रेलवे पर गर्व जताया। वांगचुक ने कहा कि जैसा कि मैंने आपको परसों बताया था, हम लद्दाख के लिए निकल चुके हैं। हमने ट्रेन से सफर किया, जो मेरा पसंदीदा सफर का जरिया है। दिल्ली से श्रीनगर तक वंदे भारत सर्विस में यह मेरा पहला अनुभव था और मैं चिनाब ब्रिज भी देखना चाहता था। यह एक शानदार अनुभव था और मुझे भारतीय रेलवे पर बहुत गर्व है। लद्दाख की यात्रा जारी रखने से पहले हम आराम करने के लिए कश्मीर में एक दिन बिता रहे हैं, जहाँ हमें उम्मीद है कि वहाँ की ताजी हवा और साफ पानी से हमें नई ऊर्जा मिलेगी। प्रस्तावित परीक्षा सुधारों का स्वागत करते हुए वांगचुक ने आशा व्यक्त की कि ये बदलाव परीक्षाओं तक ही सीमित नहीं रहेंगे,

तकनीकी मुद्दों पर घिरी मेटा

MeitY Secretary बोले- 10 दिनों में देना होगा स्पष्टीकरण

नई दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव एस. कृष्णन ने गुरुवार को कहा कि मेटा कंपनी से जुड़े पॉलिसी और तकनीकी मुद्दों पर सरकार के सामने अपनी बात रखने के लिए तैयार हो गई है। ANI से बात करते हुए कृष्णन ने कहा कि सरकार ने मेटा से कहा है कि वह अपने सबसे सीनियर प्रतिनिधियों को भेजे ताकि वे अधिकारियों द्वारा उठाए गए मुद्दों से जुड़ी स्थितियों को समझा सकें और पॉलिसी और तकनीकी, दोनों स्तरों पर स्पष्टता दे सकें। उन्होंने कहा कि हमने मेटा से कहा है कि वे सबसे ऊंचे स्तर पर आकर बताएं कि क्या हो रहा है और जो मुद्दे हमें दिख रहे हैं, वे क्यों हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सरकार पॉलिसी और तकनीकी, दोनों नजरियों से इन मुद्दों को समझना चाहती है और यह देखना चाहती है कि कंपनी भारत की चिंताओं को दूर करने के लिए अपने तौर–तरीकों में कैसे बदलाव कर सकती है। कृष्णन ने कहा कि सरकार अभी इस मामले की जांच कर रही है और अपनी समीक्षा के तहत कई मैसेजिंग प्लेटफॉर्म से राय मांगी है। उन्होंने यह भी कहा कि मेटा ने सरकार को पत्र लिखकर इस घटना पर खेद जताया है और इसके कारणों के बारे में अपनी समझ साझा की है। जब उनसे पूछा गया कि मेटा के प्रतिनिधियों को क्या समय–सीमा दी गई है, तो उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि अगले एक हफ्ते या दस दिनों में। हम इस पर विचार कर रहे हैं। हमें कई प्लेटफॉर्म, मैसेजिंग प्लेटफॉर्म से राय मिली है। WhatsApp पर यूजरनेम की समस्या के बारे में उन्होंने कहा, ष्हम इसकी जांच कर रहे हैं। हमें कई मैसेजिंग प्लेटफॉर्म से उनकी राय मिली है। कृष्णन के अनुसार, मेटा ने सरकार को यह भी बताया है कि उसने ऐसी घटनाओं को दोबारा होने से रोकने के लिए 28 जुलाई को मशहूर हस्तियों के अकाउंट्स के संबंध ा में नए नियम लागू किए हैं।

पंजाब पेपर लीक: सुखबीर बादल का आप सरकार पर बड़ा आरोप, युवाओं का भविष्य बर्बाद कर रही सरकार

चंडीगढ़। शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार की आलोचना की है, क्योंकि सरकार ने राज्य भर में पेपर लीक के कई मामलों में अपनी भूमिका से इनकार किया है। लुधियाना में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने ।।च नेताओं पर सत्ता में आने के बाद से गैर–कानूनी गतिविधियां करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि छम्म्ज पेपर लीक की तरह ही, पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार के दौरान लगभग 10 अलग–अलग नौकरियों के पेपर लीक हुए हैं। बादल ने कहा कि मुझे हैरानी है कि मुख्यमंत्री इतने झूठे दावे कैसे कर सकते हैं और कह सकते हैं कि कोई पेपर लीक नहीं हुआ है। राज्य में सभी गैर–कानूनी काम AAP नेताओं द्वारा किए जा रहे हैं। युवा कह रहे हैं कि पैसे के बदले पेपर की सेटिंग की गई और उन्हें लीक किया गया। जब से अरविंद केजरीवाल सत्ता में आए हैं, पंजाब में गैर–कानूनी गतिविधियां हो रही हैं। हमने इन मुद्दों पर चर्चा करने के लिए कल एक बैठक बुलाई है। पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष और सांसद अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने भी ऐसी ही चिंता जताई। उन्होंने कहा कि AAPलीडरशिप को एक एकजुट छात्र मोर्चे से डर लग रहा है, जैसा कि हाल ही में राष्ट्रीय राजधानी में देखा गया था। उन्होंने कहा कि भगवंत मान और अरविंद केजरीवाल दोनों को इस बात की चिंता सता रही है कि दिल्ली के जंतर–मंतर से शुरू हुई लहर अब पंजाब की ओर बढ़ रही हैय उन्हें डर है कि यह आग वहां तक घ्घ्न पहुंच जाए। देश भर के युवा और नागरिक इस बात पर एकमत हैं कि सरकारों को पेपर लीक रोकने के लिए सिस्टम बनाना चाहिए। भगवंत मान की सरकार के दौरान छह पेपर लीक हुए हैं, जिससे 4.5 से 5 लाख उम्मीदवार प्रभावित हुए हैं भगवंत मान को इसके लिए जवाब देना चाहिए, माफी मांगनी चाहिए और अपने मंत्रियों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। उसी दिन, पंजाब में कथित पेपर लीक को लेकर दिल्ली में आम आदमी पार्टी के दफ्तर के बाहर हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान दिल्ली पुलिस और भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई।

दिल्ली के आईजीआई हवाई अड्डे पर बैंकॉक से आए यात्री के पास से करीब नौ किलोग्राम गांजा जब्त

नयी दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने बैंकॉक से आए एक यात्री को स्वापक औषधि और मनरूप्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर उसके पास से करीब नौ किलोग्राम संदिग्ध हाइड्रोपोनिक वीड (विशिष्ट गांजा) जब्त किया है। अधि कारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। हाइड्रोपोनिक वीड गांजे की एक ऐसी किस्म है, जिसे मिट्टी के बजाय पोषक तत्वों से युक्त पानी में उगाया जाता है। इसमें नशीले रसायन की मात्रा अधिक होती है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, यह यात्री बुधवार को बैंकॉक से यहां पहुंचा था। उसे आधुनिक यात्री सूचना प्रणाली (एपीआईएस) प्रोफाइलिंग के आधार पर सीमा शुल्क के ग्रीन चौनल से निकलने के बाद रोका गया। बयान में कहा गया कि यात्री के सामान की एक्स–रे जांच के दौरान अधिकारियों को कुछ संदिग्ध तस्वीरें दिखाई दीं।

राहुल गांधी का बड़ा आरोप: छात्रों पर हिंसा पर अमित शाह संसद में बोलने से क्यों डर रहे?

नई दिल्ली। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर अपना हमला और तेज कर दिया। उन्होंने 20 जुलाई को संसद तक हुए विरोध मार्च के दौरान छात्रों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई को लेकर लगाए गए आरोपों को फिर से दोहराया। उन्होंने अमित शाह के इस्तीफे की मांग की और इस घटना की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच कराने की बात कही। वही, एक पोस्ट में राहुल ने कहा कि अमित शाह संसद में आकर छात्रों के खिलाफ हुई बर्बर हिंसा के बारे में सफाई देने से इतना क्यों डर रहे हैं? इससे उनके दोषी होने का एहसास होता है। इससे पहले राहुल गांधी ने एक और पोस्ट में कहा कि छात्र न्याय के हकदार हैं। हमारे छात्रों के साथ हुई बर्बरता की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में एक स्वतंत्र और उच्च–स्तरीय समिति का गठन किया जाना चाहिए। वहीं, नई दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में गांधी ने आरोप लगाया कि छात्रों पर बहुत ज्यादा बल प्रयोग किया गया और कहा कि या तो अमित शाह ने पुलिस कार्रवाई का आदेश दिया था या उन्हें इसके बारे में पता ही नहीं था। उन्होंने जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय करने की अपनी मांग भी दोहराई। छात्र प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कथित पुलिस कार्रवाई से जुड़े विवाद पर राहुल गांधी की पूरी बात, राजनीतिक प्रतिक्रियाओं और ताजा घटनाक्रम को जानने के लिए पूरी रिपोर्ट देखें। यह मांग तब उठी है जब गुरुवार को संसद परिसर में मकर द्वार पर विपक्षी सांसदों ने विरोध प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में छात्र प्रदर्शनकारियों पर कथित पुलिस कार्रवाई और अयोध्या में राम मंदिर के लिए मिले चंदे में हेराफेरी के आरोपों का मुद्दा उठाया गया। इंडिया गठबंधन की कई पार्टियों के सांसद सुबह करीब 10.30 बजे जमा हुए। उनके हाथों में ऐसे प्लेकार्ड थे जिनमें सवाल किया गया था कि 20 जुलाई को जंतर–मंतर पर हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई का आदेश किसने दिया था।

उन्होंने छात्रों के खिलाफ पुलिस द्वारा बल प्रयोग और अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर के लिए दिए गए चंदे से जुड़ी वित्तीय अनियमितताओं को लेकर केंद्र सरकार से जवाबदेही की मांग करते हुए नारे लगाए। यह विरोध प्रदर्शन राज्यसभा में शपब्लिक एग्जामिनेशन्स (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) अमेंडमेंट बिल, 2026श पर विचार किए जाने से कुछ घंटे पहले हुआ।

छत्तीसगढ़ में भारी बारिश, 5 लोगों की मौत, कई जिलों में सड़कें कटीं

रायपुर। पिछले कुछ दिनों में हुई भारी बारिश के कारण छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं, जिससे निचले इलाकों में पानी भर गया है, नदियों और नालों का जलस्तर बढ़ गया है और कई जिलों में सड़क संपर्क बाधि त हुआ है। इस दौरान बारिश से जुड़ी घटनाओं में कम से कम पांच लोगों की मौत हुई है। सबसे ज्यादा प्रभावित इलाके रायपुर, बस्तर और दुर्ग डिवीजन में हैं, जहाँ कई सड़कें पानी में डूबी हुई हैं और अधिकारियों ने नदी के किनारे रहने वाले लोगों के लिए अलर्ट जारी किया है।

बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करना प्राथमिकता, हर घर तक पहुंचाएं पार्टी की विचारधारा- आर.पी. गौतम

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। अपना दल (एस) जनपद बस्ती संगठन की समीक्षा बैठक गुरुवार को प्रेस क्लब बस्ती में प्रदेश अध्यक्ष आर.पी. गौतम की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में संगठन की मजबूती, सदस्यता अभियान, जनसम्पर्क कार्यक्रम तथा आगामी चुनावों की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि एवं पूर्व दर्जा प्राप्त मंत्री राम लखन पटेल ने कहा कि अपना दल (एस) हमेशा शोषितों, वंचितों और पिछड़े वर्गों के अधिकारों की लड़ाई मजबूती से लड़ता रहा है। राष्ट्रीय महासचिव राम नयन पटेल ने पार्टी की नीतियों और जनकल्याणकारी योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाने के लिए सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। प्रदेश सचिव संजय सिंह पगार ने कहा कि संगठन में ही शक्ति निहित है, इसलिए प्रत्येक कार्यकर्ता को अपने–अपने क्षेत्र में जनता के सुख–दुख का सहभागी बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि बूथ कमेटियां मजबूत होंगी तो पार्टी के लिए कोई भी राजनीतिक लक्ष्य हासिल करना कठिन नहीं होगा। बैठक में सदस्यता अभियान को गति देने, संगठन के विस्तार तथा आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए रणनीति पर भी विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम का संचालन रमेश चन्द्र गिरि ने किया। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष राजमणि पटेल, , झिनकान चौधरी, राम सिंह पटेल, सुखराम पटेल, शिव कुमार चौधरी, डॉ. इंद्रजीत प्रजापति, आत्मा राम पटेल, प्रदीप पटेल राना, सर्वेश वर्मा, विनोद चौरसिया, आशीष बाबा जी, राम जीत पटेल, निसार अहमद, वंदना पटेल, रमेश चन्द्र भारती, अभिषेक आर्य, सुरेन्द्र पटेल, प्रमोद कुमार पाल, चंद्र मोहन श्रीवास्तव, संजय चौधरी, रियाजुद्दीन, सिकंदर अली, लड्डन पटवा, शोभा राम पटेल, एडवोकेट राम दिनेश चौधरी, अजीज वर्मा, राम चन्द्र पटेल, विजय पटेल, गंगेश्वर पटेल, बब्बन शर्मा, इन्द्रेश चौधरी, लालचन्द सहित विभिन्न कमेटियों के सैकड़ों पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बायें गुर्दे के कैंसर से पीड़ित मरीज का ओमवीर हॉस्पिटल में सफल ऑपरेशन, डॉक्टरों ने दी नई जिंदगी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। अपना दल (एस) जनपद बस्ती संगठन की समीक्षा बैठक गुरुवार को प्रेस क्लब बस्ती में प्रदेश अध्यक्ष आर.पी. गौतम की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में संगठन की मजबूती, सदस्यता अभियान, जनसम्पर्क कार्यक्रम तथा आगामी चुनावों की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि एवं प्रदेश अध्यक्ष आर.पी. गौतम ने कहा कि संगठन की वास्तविक ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ताओं और उनकी जमीनी सक्रियता में निहित है। उन्होंने कहा कि लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल, भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर तथा अपना दल (एस) के संस्थापक डॉ. सोनेलाल पटेल के विचारों और आदर्शों को घर–घर तक पहुंचाना प्रत्येक कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि आगामी चुनावों को देखते हुए बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करना पार्टी की पहली प्राथमिकता है। विशिष्ट अतिथि एवं पूर्व दर्जा प्राप्त मंत्री राम लखन पटेल ने कहा कि अपना दल (एस) हमेशा शोषितों, वंचितों और पिछड़े वर्गों के अधिकारों की लड़ाई मजबूती से लड़ता रहा है। राष्ट्रीय महासचिव राम नयन पटेल ने पार्टी की नीतियों और जनकल्याणकारी योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाने के लिए सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। प्रदेश सचिव संजय सिंह पगार ने कहा कि संगठन में ही शक्ति निहित है, इसलिए प्रत्येक कार्यकर्ता को अपने–अपने क्षेत्र में जनता के सुख–दुख का सहभागी बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि बूथ कमेटियां मजबूत होंगी तो पार्टी के लिए कोई भी राजनीतिक लक्ष्य हासिल करना कठिन नहीं होगा। बैठक में सदस्यता अभियान को गति देने, संगठन के विस्तार तथा आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए रणनीति पर भी विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम का संचालन रमेश चन्द्र गिरि ने किया। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष राजमणि पटेल, , झिनकान चौधरी, राम सिंह पटेल, सुखराम पटेल, शिव कुमार चौधरी, डॉ. इंद्रजीत प्रजापति, आत्मा राम पटेल, प्रदीप पटेल राना, सर्वेश वर्मा, विनोद चौरसिया, आशीष बाबा जी, राम जीत पटेल, निसार अहमद, वंदना पटेल, रमेश चन्द्र भारती, अभिषेक आर्य, सुरेन्द्र पटेल, प्रमोद कुमार पाल, चंद्र मोहन श्रीवास्तव, संजय चौधरी, रियाजुद्दीन, सिकंदर अली, लड्डन पटवा, शोभा राम पटेल, एडवोकेट राम दिनेश चौधरी, अजीज वर्मा, राम चन्द्र पटेल, विजय पटेल, गंगेश्वर पटेल, बब्बन शर्मा, इन्द्रेश चौधरी, लालचन्द सहित विभिन्न कमेटियों के सैकड़ों पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

फुटहिया चौराहे पर 'कलश वंदन यात्रा' का हुआ भव्य स्वागत, दीप प्रज्वलन व माल्यार्पण के साथ निकली यात्रा

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज के 650वें जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित समरसता संकल्प अभियान सामाजिक समरसता, एकता और सद्भाव का प्रेरणादायी संदेश लेकर निरंतर आगे बढ़ रहा है। इसी क्रम में, महान संत शिरोमणि रविदास जी महाराज की जन्मस्थली सीर गोवर्धनपुर, वाराणसी (काशी) से प्राप्त पावन माटी युक्त कलश वंदन यात्रा (29 जुलाई से 6 अगस्त तक आयोजित हो रही है) के जनपद बस्ती पहुँचने पर भव्य स्वागत किया गया। फुटहिया चौराहा आगमन पर भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष श्री विवेकानंद मिश्र जी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिकों ने पुष्पवर्षा, दीप प्रज्वलन व माल्यार्पण कर यात्रा का अभिनंदन किया और इस पावन आयोजन में सहभागिता निभाई। जिला मीडिया प्रभारी ने जानकारी देते हुए बताया कि यह कलश यात्रा बस्ती जिले के विभिन्न संत–महात्माओं, जनप्रतिनिधियों, प्रबुद्धजनों, मंदिर समितियों, सामाजिक संगठनों और सांगठनिक स्तर पर प्रत्येक बूथ व संत रविदास मंदिरों से होते हुए पूरे जिले में भ्रमण करेगी और समाज में समरसता व एकता का संदेश फैलाएगी। कलश यात्रा के स्वागत कार्यक्रम के दौरान अंकुर वर्मा, दिलीप पांडे, ब्रह्मदेव यादव, अमृत कुमार वर्मा, अभिषेक कुमार, प्रेम प्रकाश चौधरी, सुरेंद्र चौधरी, गौरव जायसवाल, सचिन सिंह सहित भारी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता व स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

बिजली बिल बकायेदारों पर विद्युत् विभाग ने की कार्रवाई

19 उपभोक्ताओं के अस्थायी कनेक्शन काटे, एक लाख रुपये की हुई वसूली

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर। विद्युत विभाग ने गुरुवार को शोहरतगढ़ नगर क्षेत्र में बड़े बकायेदारों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया। अभियान के दौरान 19 उपभोक्ताओं के अस्थायी विद्युत संयोजन काटकर उन्हें बकाया बिल जमा करने के लिए नोटिस जारी किया गया। वहीं विभाग ने अभियान के दौरान करीब एक लाख रुपये के बकाया बिजली बिल की वसूली भी की। अवर अभियंता प्रदीप कुमार शुक्ला (शोहरतगढ़ टाउन) एवं राजेश कुमार साहनी (शोहरतगढ़ ग्रामीण) के नेतृत्व में विभागीय टीम ने उच्चाधिकारियों के निर्देश पर यह अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान जिन उपभोक्ताओं ने तत्काल बिल जमा नहीं किया, उन्हें नोटिस देकर शीघ्र भुगतान करने के निर्देश दिए गए। कुछ उपभोक्ताओं ने शुक्रवार तक बिल जमा करने के लिए समय मांगा।अभियान में लाइन स्टाफ सुरेश कुमार, राधेश्याम, संदीप कुमार, सुनील कुमार, रोहित कुमार, अरविंद चौधरी और अजीत कुमार शामिल रहे। विभागीय अधिकारियों ने कहा कि बकाया बिजली बिल की वसूली का अभियान आगे भी जारी रहेगा तथा बकायेदारों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

मत्स्य विभाग की विभिन्न योजनाओं में ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ी

मत्स्य पालकों, महिलाओं, युवाओं एवं उद्यमियों से समय रहते आवेदन करने की अपील

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। वित्तीय वर्ष 2026–27 में मत्स्य विभाग द्वारा संचालित राज्य सेक्टर की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 05 अगस्त, 2026 कर दी गई है। पूर्व में आवेदन की अंतिम तिथि 31 जुलाई, 2026 निर्धारित थी। सहायक निदेशक मत्स्य आधिकारी शुभम कश्यप ने बताया कि इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी मुख्यमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना, सघन मत्स्य पालन हेतु एरेशन सिस्टम स्थापना योजना, उत्तर प्रदेश मत्स्य पालक कल्याण कोष के अंतर्गत विभिन्न परियोजनाओं, अंतर्देशीय खारे जल क्षेत्रों में नवीन तालाब निर्माण एवं प्रथम वर्ष निवेश योजना, उत्तर प्रदेश मोती संवर्धन योजना तथा विशिष्ट प्रजाति की मत्स्य हैचरी स्थापना योजना सहित अन्य योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए निर्धारित अवधि के भीतर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि योजनाओं का विस्तृत विवरण, इकाई लागत, आवेदन प्रक्रिया, आवश्यक अभिलेख एवं दिशा–निर्देश विभागीय पोर्टल पर उपलब्ध हैं। जनपद के मत्स्य पालकों, मत्स्य .षकों, महिला स्वयं सहायता समूहों, युवाओं एवं इच्छुक उद्यमियों से अपील की गई है कि वे अंतिम तिथि की प्रतीक्षा किए बिना समय से अपना आवेदन अवश्य करें। अधिक जानकारी के लिए इच्छुक अभ्यर्थी कार्यालय सहायक निदेशक मत्स्य, विकास भवन, सोनभद्र अथवा मत्स्य निदेशालय, उत्तर प्रदेश के हेल्पलाइन नंबर 0522–2740270 पर संपर्क कर सकते हैं।

युवक व युवती का पेड़ में लटकता मिला शव, पुलिस मामले की जांच में जुटी

कुशीनगर। जनपद के हनुमानगंज थाना क्षेत्र के जिंदा छपरा गांव में एक युवक व युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में लीची के पेड़ से लटकते शव की खबर मिलते ही गांव में सनसनी फैल गई। ग्रामीणों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज कर मामले की जांच में जुटी हुई है। पुलिस के अनुसार आज 29 जुलाई को समय लगभग 13.00 बजे जरिए मोबाइल से सूचना प्राप्त हुआ कि थाना हनुमानगंज क्षेत्र के जिंदा छपरा गांव में एक युवक और एक युवती आत्महत्या किए हैं और दोनों मृत अवस्था में लीची के पेड़ से लटके हुए हैं। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों से पूछताछ की तो मृतकों की पहचान रितेश कुमार पुत्र दयानिधि भारती उम्र करीब 22 वर्ष निवासी जिंदा छपरा और पूजा शर्मा पुत्री गोपाल शर्मा उम्र करीब 21 वर्ष निवासी खड्डा वार्ड 09 थाना खड्डा जनपद कुशीनगर के रुप में हुई। दोनो द्वारा लगभग 06 माह पूर्व कोर्ट मैरिज की गयी थी और साथ में ही जिंदा छपरा मे रह रहे थे। पुलिस द्वारा नियमानुसार शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा, पोस्टमार्टम के लिए कार्यवाही करते हुए शव को जिला मुख्यालय भिजवा कर मामले की जांच में जुट गई है। दिया। पुलिस टीम प्रकरण में सभी पहलुओं पर गहराई से छानबीन में लगी हुई है। मौके पर शांति व्यवस्था कायम है। इस संबंध में अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ वर्मा ने बताया कि एक युवक व एक युवती का शव पेड़ से लटका हुआ है कि सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव कब्जे में पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। प्रथम दृष्टया उक्त प्रकरण आत्महत्या का लग रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जायेगी।

जिविसेप्रा कुशीनगर ने गुमशुदा बालक अर्पित विश्वकर्मा की तलाश में सहयोग हेतु आमजन से किया अपील

कुशीनगर। मध्य प्रदेश के जिला सीधी के ग्राम पटपरा, थाना कमजी निवासी महेश विश्वकर्मा के पुत्र अर्पित विश्वकर्मा बीते 20 मई से लापता है। जानकारी के अनुसार महेश विश्वकर्मा अपनी सास के निधन के कारण बीते 19 मई को अपनी पत्नी के साथ कारीमाटी गांव गए थे। उन्होंने अपने पुत्र अर्पित को घर पर अपनी माता एवं पुत्री की देखरेख में छोड़ा था। अगले दिन 20 मई को प्रातः लगभग 10रू00 बजे अर्पित घर से कहीं चला गया और तब से उसका कोई पता नहीं चल सका है। महेश विश्वकर्मा द्वारा उसी दिन थाना कमर्जी, जिला सीधी मध्य प्रदेश में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई। जिसे गुमशुदा व्यक्ति के रूप में दर्ज किया गया। पुलिस एवं संबंधित एजेंसियों द्वारा लगातार खोजबीन किए जाने के बावजूद बालक का अभी तक पता नहीं चल सका है। लापता बालक की तलाश के लिए मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ को पत्र भेजकर प्रदेश भर में तलाश कराने का अनुरोध किया है।

मानव तस्करी के खिलाफ 75 सीमावर्ती जिलों में चलाया गया व्यापक जागरूकता अभियान

विश्व मानव तस्करी विरोध दिवस पर सिद्धार्थनगर में भी लोगों को किया गया जागरूक, क्रॉस बॉर्डर क्षेत्रों में सामूहिक प्रयास पर जोर

सिद्धार्थनगर। विश्व मानव तस्करी विरोध दिवस के अवसर पर 30 जुलाई 2026 को मानव तस्करी के खिलाफ देश के सभी 75 क्रॉस बॉर्डर जिलों में व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान का उद्देश्य महिलाओं और बच्चों की मानव तस्करी, बाल श्रम तथा उनके खिलाफ होने वाली हिंसा को रोकने के साथ सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षित और हिंसा मुक्त वातावरण का निर्माण करना रहा।

मानव तस्करी वर्तमान समय की गंभीर सामाजिक समस्याओं में से एक है। हर वर्ष बड़ी संख्या में पुरुष, महिलाएं और बच्चे घरेलू तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मानव तस्करी का शिकार होते हैं। इनमें गरीब, वंचित, अशिक्षित और सामाजिक रूप से कमजोर वर्गों के लोगों की संख्या अधिक होती है। मानव तस्करी के रूप में महिलाओं और बच्चों को जबरन श्रम तथा यौन तस्करी में भी धकेला जाता है।

मानव सेवा संस्थान सेवाविधि की पहल पर आयोजित अभियान के तहत सीमावर्ती जिलों में जिला एवं ब्लॉक स्तर पर परिचर्चा, गोष्ठी, बैठक, जागरूकता रैली, मशाल जुलूस और नुक्कड़ नाटक सहित विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को मानव तस्करी के प्रति जागरूक किया गया। अभियान में सामाजिक संगठनों, प्रबुद्धजनों, सरकारी संस्थानों, शासन–प्रशासन, एसएसबी, पुलिस, मीडिया और स्थानीय समुदाय की सहभागिता सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

इस अभियान से जुड़े सिद्धार्थ भारतीय ग्रामीण विकास संस्थान, सिद्धार्थनगर के पद सचिव उमेश चन्द्र ने बताया कि सीमा पार होने वाले मानव व्यापार के खिलाफ क्रॉस बॉर्डर क्षेत्रों में सहयोगात्मक कार्रवाई और व्यापक जागरूकता अभियान की शुरुआत की गई है। उन्होंने कहा कि इस अभियान को सफल बनाने के लिए सभी 75 सीमावर्ती जिलों में संबंधित संस्थाओं, प्रशासन, सुरक्षा एजेंसियों, मीडिया, सामाजिक संगठनों और आमजन को एकजुट होकर कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि मानव तस्करी की रोकथाम के साथ–साथ बच्चों को बाल श्रम से मुक्त कराने, पीड़ित महिलाओं एवं बच्चों को राहत और पुनर्वास सेवाएं उपलब्ध कराने तथा उनके सुरक्षित भविष्य के लिए सामुदायिक स्तर पर निरंतर प्रयास जरूरी हैं। अभियान का मुख्य उद्देश्य क्रॉस बॉर्डर क्षेत्रों में मानव तस्करी पर प्रभावी रोक लगाना, महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा को समाप्त करना तथा लोगों में जागरूकता और सहभागिता के माध्यम से इस सामाजिक कुरीति का अंत करना है। आयोजकों ने आम नागरिकों से अपील की कि मानव तस्करी से संबंधित किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल संबंधित प्रशासन एवं सुरक्षा एजेंसियों को दें और इस अभियान में सक्रिय सहयोग प्रदान करें।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न

कुशीनगर। जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि०द रा०) बैभव मिश्रा, अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड, लोक निर्माण विभाग, सहायक अभियन्ता लोक निर्माण विभाग, सहायक अभियन्ता एनएच डिवीजन गोरखपुर, एनएचएआई के साइट इंजीनियर, सहायक क्षेत्रीय प्रबन्धक रोडवेज, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी, एआरटीओ सहित समिति के सभी संबंधित अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। बैठक में पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन, पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुत रिपोर्ट की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि पडरौना स्थित सुभाष चौक पर वाहनों के अत्यधिक दबाव एवं भीड़ के कारण दुर्घटनाओं की संभावना बनी रहती है। इस समस्या के स्थायी समाधान हेतु सुभाष चौक से बाईपास मार्ग विकसित करने अथवा सड़क के चौड़ीकरण के संबंध में कार्ययोजना तैयार कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने लिए निर्देशित किया। बैठक में सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन में विद्यालयी वाहनों के विरुद्ध विशेष प्रवर्तन अभियान संचालित किया जा रहा है। जनपद में चिन्हित 170 अनफिट स्कूली वाहनों में से 60 वाहनों को फिटनेस प्रमाण–पत्र जारी किया जा चुका है, जबकि शेष 110 वाहनों के फिटनेस परीक्षण हेतु नोटिस जारी किए गए हैं। इस पर जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि शेष सभी 110 अनफिट वाहनों का फिटनेस परीक्षण तत्काल कराया जाए। यदि निर्धारित समयावधि में वाहन स्वामियों द्वारा फिटनेस प्रमाण–पत्र प्राप्त नहीं किया जाता है तो ऐसे वाहनों की सूची तैयार कर पुलिस विभाग को आवश्यक वैधानिक कार्रवाई हेतु उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि किसी भी स्थिति में कोई भी अनफिट स्कूली वाहन सड़क पर संचालित नहीं होना चाहिए। यदि किसी अनफिट स्कूली वाहन में बच्चे सवार हों तो उनकी सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए पहले बच्चों को सुरक्षित गंतव्य तक पहुँचाया जाए, तत्पश्चात संबंधित वाहन के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करते हुए उसे जब्त किए जाए। जिलाधिकारी ने चिकित्सा विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वाहन चालकों एवं परिचालकों के नेत्र परीक्षण हेतु प्रत्येक माह नियमित रूप से स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएँ, जिससे सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। बैठक में सड़क सुरक्षा से संबंधित अन्य बिंदुओं पर भी विस्तृत समीक्षा की गई तथा संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। अंत में सभी अधिकारियों से समन्वित रूप से कार्य करते हुए जनपद में सुरक्षित एवं सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने का आह्वान किया गया।

विश्व मानव तस्करी विरोध दिवस पर सिद्धार्थ विश्वविद्यालय में हुई कार्यशाला

छात्र–छात्राओं को किया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। विश्व मानव तस्करी विरोध दिवस के अवसर पर मानव संसाधन एवं महिला विकास संस्थान एवं सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय परिसर में ष्ट्रैप्ड बिहाइंड द स्कैमष विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता लोक प्रशासन विभाग की प्रो. सुनीता त्रिपाठी ने की। उन्होंने कहा कि मानव तस्करी आज समाज के सामने गंभीर चुनौती बन चुकी है। सोशल मीडिया और डिजिटल माध्यमों के बढ़ते उपयोग के साथ अपराधी नए–नए तरीकों से युवाओं को झूठे रोजगार, शिक्षा और विदेश भेजने का लालच देकर अपने जाल में फंसा रहे हैं। इससे बचाव के लिए जागरूकता और सतर्कता सबसे प्रभावी उपाय है। प्रो. हरीश द्विवेदी ने कहा कि मानव तस्करी मानवाधिकारों का घोर उल्लंघन है। शिक्षा के माध्यम से युवाओं में सामाजिक चेतना

विकसित कर इस अपराध के खिलाफ मजबूत जन–जागरूकता अभियान चलाया जा सकता है। एसएसबी 43वीं वाहिनी के सहायक कमांडेंट सचिन ने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में मानव तस्करी की रोकथाम के लिए एसएसबी लगातार अभियान चला रही है। उन्होंने विद्यार्थियों से किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस या सुरक्षा एजेंसियों को देने की अपील की। एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग थाना के प्रभारी निरीक्षक रविन्द्र सिंह ने मानव तस्करी के विभिन्न स्वरूपों और उससे बचाव के उपायों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि रोजगार, विवाह और बेहतर जीवन का झांसा देकर लोगों को तस्करी का शिकार बनाया जाता है, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को सतर्क रहने की आवश्यकता है। साइबर सेल निरीक्षक पंकज कुमार सिंह ने ऑनलाइन ठगी, फर्जी जॉब ऑफर, फिशिंग लिंक, डिजिटल अरेस्ट और साइबर फ्रॉड से बचने के उपाय बताए। वहीं साइबर क्राइम थाना प्रभारी निरीक्षक श्याम सुन्दर तिवारी ने कहा कि साइबर अपराध और मानव तस्करी अब एक–दूसरे से जुड़े अपराध बनते जा रहे हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म का सुरक्षित उपयोग ही ऐसे अपराधों से बचाव का सबसे प्रभावी माध्यम है।जिला सलाहकार जय प्रकाश गुप्ता ने कहा कि मानव तस्करी के खिलाफ समाज के प्रत्येक व्यक्ति को सजग और संवेदनशील बनने की आवश्यकता है। सामूहिक प्रयास और समय पर सूचना देकर इस अपराध पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है।कार्यक्रम में डिस्ट्रिक्ट लीड प्रसून कुमार शुक्ल ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन (पीपीटी) के माध्यम से लगभग दस मिनट तक ष्ट्रैप्ड बिहाइंड द स्कैमष विषय पर प्रस्तुति देते हुए साइबर ठगी और मानव तस्करी के नए तरीकों की जानकारी दी तथा उनसे बचाव के व्यावहारिक उपाय बताए। अंत में मानव तस्करी एवं साइबर अपराध के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. यशवंत यादव ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रो. सुनीता त्रिपाठी ने किया। कार्यशाला में डॉ. अविनाश सिंह, डॉ सच्चिदानंद चौबे, डॉक्टर विशाल गुप्ता, डॉक्टर हृदयकांत पांडेय, डॉक्टर रविकांत शुक्ला, डॉक्टर जय सिंह यादव, डॉक्टर आभा द्विवेदी, डॉक्टर सरिता सिंह, डॉक्टर मयंक कुशवाहा, डॉक्टर वंदना गुप्ता, डॉ आशीष श्रीवास्तव, डॉक्टर अमरजीत यादव, एमएसईएमवीएस से एमआइएस अभिषेक मिश्रा, तेज नारायण, अशोक विश्वकर्मा, सोनम मोदनवाल, ज्योति सिंह, अमन शर्मा, विजय गहलौत, रामशंकर, हेमन्त गुप्ता, नेपाल के पीआरसी से कल्पना क्षेत्री,एएचटी थाना, साइबर थाना, कपलिवस्तु कोतवाली की पुलिस टीम, एवं विश्वविद्यालय के छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

सावन में बन रहे दुर्लभ संयोग, चार सोमवार व्रत, चार मंगला गौरी व्रत और सात विशेष रुद्राभिषेक तिथियां

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। पंडित अभय वैदिक ने बताया कि इस वर्ष सावन मास अत्यंत शुभ और दुर्लभ संयोग लेकर आया है। पूरे सावन में चार सावन सोमवार व्रत और चार मंगला गौरी व्रत पड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसा संयोग भगवान शिव और माता पार्वती की आराधना के लिए अत्यंत मंगलकारी माना जाता है। श्रद्धा और विधि–विधान से की गई पूजा–अर्चना से भगवान भोलेनाथ की विशेष कृपा प्राप्त होती है तथा भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। पंडित अभय वैदिक ने बताया कि भगवान शिव के पंचाक्षर मंत्र ष्ट नमः शिवायष का नियमित जप करने से मन को शांति, आध्यात्मिक ऊर्जा और सकारात्मकता प्राप्त होती है। सावन मास में भगवान शिव का जलाभिषेक एवं रुद्राभिषेक करने से अनंत पुण्य, सुख, समृद्धि, आरोग्य और जीवन में मंगल फल की प्राप्ति होती है। पंडित अभय वैदिक के अनुसार इस वर्ष रुद्राभिषेक के लिए प्रमुख शुभ तिथियां 3 अगस्त (सोमवार), 10 अगस्त (सोमवार), 11 अगस्त (मंगलवार), 17 अगस्त (सोमवार), 24 अगस्त (सोमवार), 25 अगस्त (मंगलवार) तथा 28 अगस्त (गुरुवार) हैं। उन्होंने कहा कि इन तिथियों पर भगवान शिव का रुद्राभिषेक और जलाभिषेक करना विशेष फलदायी माना गया है। पंडित अभय वैदिक ने बताया कि इस वर्ष मंगला गौरी व्रत 4 अगस्त, 11 अगस्त, 18 अगस्त और 25 अगस्त (सभी मंगलवार) को रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि इस व्रत में सुहागिन महिलाएं माता गौरी की पूजा कर अखंड सौभाग्य, दांपत्य सुख और परिवार की समृद्धि की कामना करती हैं। पंडित अभय वैदिक ने श्रद्धालुओं से सावन मास में भगवान शिव एवं माता पार्वती की श्रद्धापूर्वक पूजा–अर्चना, रुद्राभिषेक तथा ष्ट नमः शिवायष मंत्र का अधिक से अधिक जप करने का आह्वान करते हुए कहा कि इससे भगवान भोलेनाथ की कृपा प्राप्त होती है और जीवन में सुख, शांति एवं समृद्धि का वास होता है।

लोक लेखा समिति (PAC) की बैठक में सांसद जगदंबिका पाल ने विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर रखे विचार

दैनिक बुद्ध का संदेश

नई दिल्ली। नई दिल्ली स्थित संसद भवन एनेक्सी में आयोजित लोक लेखा समिति (Public Accounts Committee & PAC) की महत्वपूर्ण बैठक में डुमरियागंज लोकसभा क्षेत्र के लोकप्रिय सांसद एवं लोक लेखा समिति के सदस्य जगदंबिका पाल ने सहभागिता करते हुए विभिन्न राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर विस्तृत चर्चा की। बैठक के दौरान दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना एवं प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना (सौभाग्य योजना) के क्रियान्वयन, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे की दीमापुर–कोहिमा नई रेल लाइन परियोजना, तथा फार्मास्यूटिकल उत्पादों के आयात पर IGST छूट से संबंधित समिति की अनुशंसाओं एवं कार्रवाई प्रतिवेदन सहित अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर गहन विचार–विमर्श किया गया। बैठक में सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि लोक लेखा समिति का उद्देश्य सरकारी योजनाओं एवं सार्वजनिक व्यय की पारदर्शिता, जवाबदेही और प्रभावशीलता सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पहुँचे, इसके लिए समिति की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। पाल ने कहा कि वे लोकहित, पारदर्शिता एवं सुशासन के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध हैं तथा संसद और समिति के माध्यम से जनहित से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने और उनके समाधान हेतु निरंतर प्रयासरत रहेंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि समिति की अनुशंसाएँ देश में सुशासन को और अधिक सुदृढ़ करने तथा विकास कार्यों में गति प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगी।

विश्व मानव तस्करी विरोध दिवस पर निकाली गयी जागरूकता रैली

ऑनलाइन ठगी व फर्जी नौकरी के झांसे से बचने का दिया संदेश

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। विश्व मानव तस्करी विरोध दिवस के अवसर पर गुरुवार को भारत–नेपाल सीमा स्थित खुनुवा बॉर्डर चेकपोस्ट पर मानव तस्करी के खिलाफ जागरूकता रैली एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य सीमावर्ती क्षेत्रों के लोगों को मानव तस्करी, फर्जी नौकरी के झांसे और ऑनलाइन धोखाधड़ी के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम का आयोजन मानव सेवा संस्थान श्सेवाश की ओर से किया गया, जिसमें 43वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), मिशन शक्ति, सिद्धार्थनगर पुलिस तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों ने संयुक्त रूप से हिस्सा लिया। रैली के दौरान प्रतिभागियों ने मानव तस्करी के खिलाफ जागरूकता संबंधी नारे लगाए और लोगों से संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तत्काल पुलिस एवं संबंधित विभागों को देने की अपील की। अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2026 के विश्व मानव तस्करी विरोध दिवस की थीम ष्उत्तंचचमक

ठमीपदक जीमै बंउष है। इसका उद्देश्य ऑनलाइन ठगी, फर्जी नौकरी और झूठे प्रलोभनों के माध्यम से होने वाली मानव तस्करी के प्रति लोगों को सतर्क करना है। कार्यक्रम में लोगों को मानव तस्करी से बचाव, सुरक्षित रोजगार, महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, आपातकालीन सेवा 112, महिला हेल्पलाइन 1090 तथा साइबर हेल्पलाइन 1930 के बारे में भी जागरूक किया गया। आयोजकों ने नागरिकों से मानव तस्करी जैसी गंभीर सामाजिक बुराई के खिलाफ सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल प्रशासन को देकर मानव तस्करी मुक्त समाज के निर्माण में सहयोग करने की अपील की। इस अवसर पर एसएसबी के उपनिरीक्षक (सा०) सुमीत कुमार, आरक्षी (सा०) विशाल कुमार, रामदरेश कुमार, महिला आरक्षी लिलि राय, पी. ज्योत्वना वेन, अमृता श्रीलक्ष्मी, मिशन शक्ति से उपनिरीक्षक राजकुमार यादव, मुख्य आरक्षी चंदन कुमार, मुख्य आरक्षी अष्टवर्ती यादव, आरक्षी अजीत यादव, पप्पू यादव, ग्राम प्रधान संजय कुमार, सरस्वती शिशु एवं विद्या मंदिर खुनुवा के प्रधानाचार्य बुद्धिसागर, श्रवण आचार्य, समाजसेवी सचमुच त्रिपाठी, शांति पुनर्स्थापना गृह की इंचार्ज सुनीता केसी, मानव सेवा संस्थान श्सेवाश के प्रमोद कुमार चौधरी, नीतू, मानव संसाधन एवं महिला विकास संस्थान के अमन कुमार, तेज नारायण, सोनम, रूपा उमर, सपना, पीयर एजुकेटर गुंजन सहित बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

विषैले जन्तु के काटने से वृद्ध महिला की मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। बभनी थाना क्षेत्र के बैना गांव में चारपाई पर सो रही एक 65 वर्षीय वृद्ध महिला की विषैले जन्तु के काटने से मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दुद्धी भेजा। बैठना गांव के कोटवार टोला निवासी मोहरमनी देवी पत्नी रामदेव को बीती रात विषैले जन्तु ने काट लिया।बुधवार रात करीब आठ बजे खाना खाने के बाद मोहरमनी देवी अपनी चारपाई पर सोई थीं। सुबह जब परिजनों ने उन्हें जगाने की कोशिश की, तो वह नहीं उठीं।चादर ओढ़े होने के कारण शुरुआत में कुछ समझ नहीं आया। जब चादर हटाई गई, तो उनके मुंह से झाग निकल रहा था और उनकी मृत्यु हो चुकी थी। इस घटना से परिवार में मातम छा गया और परिजनों की सूचना पर ग्रामीण मौके पर जमा हो गए।शाम पांच बजे परिजनों ने जानकारी बभनी थाने को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा कर उसे पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दुद्धी भिजवाया। प्रभारी निरीक्षक दीन्नू प्रसाद यादव ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

दलित युवती को बहला–फुसलाकर ले जाने के मामले में दूसरे समुदाय का युवक गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। थाना शोहरतगढ़ पुलिस ने दलित युवती को बहला–फुसलाकर ले जाने के मामले में वांछित चल रहे एक आरोपित को गुरुवार को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। आरोपी दूसरे समुदाय का है। आरोपी के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं के साथ एससी/एसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज था। पुलिस के अनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देशन में अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद एवं क्षेत्राधिकारी मयंक द्विवेदी के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। इस दौरान थाना क्षेत्र के डोहरिया खुर्द चौराहे के पास से वांछित आरोपी मो. जमा उर्फ लाला (23) पुत्र स्व. सुलेमान, निवासी वार्ड नंबर–10 गांधीनगर, नगर पंचायत शोहरतगढ़ को गिरफ्तार कर लिया गया। जानकारी के मुताबिक, 25 जुलाई को शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र निवासी पीड़िता की माँ ने थाना शोहरतगढ़ में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि उनकी करीब 20 वर्षीय पुत्री को मोहल्ले निवासी मो. जमा उर्फ लाला बहला–फुसलाकर अपने साथ ले गया। सूचना मिलने पर परिजन आरोपी के घर पहुंचे, जहां युवती मिल गई, जबकि आरोपी मौके से फरार हो गया था। पीड़िता की मां की तहरीर के आधार पर थाना शोहरतगढ़ में मु.अ.सं. 155/2026 के तहत बीएनएस की धारा 87, 64(1) एवं एससी/एसटी एक्ट की धारा 3(2)(ट) में मुकदमा दर्ज किया गया था। गुरुवार को पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करते हुए न्यायालय में पेश कर दिया। गिरफ्तारी टीम में प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह, उपनिरीक्षक संतोष कुमार यादव तथा कांस्टेबल अनुभव गौतम शामिल रहे।

शोहरतगढ़ पुलिस ने छात्राओं को आत्मरक्षा और कानूनी अधिकारों की दी जानकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। मिशन शक्ति फेज–5.0 के तहत गुरुवार को थाना शोहरतगढ़ क्षेत्र के शिवपति स्नातकोत्तर महाविद्यालय में बहू–बेटी एवं जनचौपाल सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम

में छात्राओं को महिला सुरक्षा, साइबर अपराध से बचाव, नए कानूनों और विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों के बारे में जागरूक किया गया। पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद एवं क्षेत्राधिकारी मयंक द्विवेदी के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में छात्राओं को आत्मरक्षा के उपाय, साइबर ठगी से बचाव तथा महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों के प्रति सतर्क रहने की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान दहेज उत्पीड़न, पॉक्सो एक्ट एवं महिला संबंधी मामलों में पीड़िताओं को मिलने वाली कानूनी सहायता और काउंसलिंग की जानकारी भी साझा की गई। साथ ही उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केंद्रों के बारे में बताते हुए कहा गया कि महिलाएं अपनी शिकायतें वहां सुरक्षित रूप से दर्ज करा सकती हैं। इस अवसर पर मिशन शक्ति 5.0 के जागरूकता स्टिकर भी चस्पा किए गए। छात्राओं को महिला हेल्पलाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, पुलिस हेल्पलाइन 112, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, एम्बुलेंस सेवा 108, अग्निशमन सेवा 101, एल्डर हेल्पलाइन 14567 तथा साइबर हेल्पलाइन 1930 के बारे में जानकारी दी गई। इसके अलावा यातायात नियमों के पालन के प्रति भी जागरूक किया गया। इस दौरान उपनिरीक्षक राजकुमार यादव, मुख्य आरक्षी अविनाश सिंह, महिला आरक्षी उर्मिला देवी एवं शोभा भारती उपस्थित रहीं।

अपना दल की बैठक में जनहित के मुद्दों और आगामी कार्यक्रमों को लेकर हुई चर्चा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। मुख्यालय स्थित अंबेडकर सभागार में आयोजित कार्यक्रम के दौरान अपना दल (एस) के प्रदेश सचिव (शिक्षा मंच) अनिल चौधरी ने पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष आर.पी. गौतम (जाटव) सहित वरिष्ठ पदाधिकारियों से शिष्टाचार भेंट कर साल भेंटकर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस दौरान संगठन की मजबूती, जनहित के कार्यों तथा आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में अनिल चौधरी ने प्रदेश अध्यक्ष आर.पी. गौतम (जाटव), पूर्व राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त रामलखन पटेल, क्षेत्रीय अध्यक्ष आत्माराम पटेल, क्षेत्रीय महासचिव लवकुश पटेल, प्रदेश सचिव (आईटी सेल) रामधनी चौधरी, प्रदेश उपाध्यक्ष (अनुसूचित वर्ग) राम लुटावन वाल्मीकि, जिलाध्यक्ष श्याम सुंदर चौधरी तथा युवा मंच के जिलाध्यक्ष विनय जायसवाल को साल भेंटकर सम्मानित किया। बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने, जनहित के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने तथा आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों की रूपरेखा पर सकारात्मक चर्चा हुई। इस दौरान वरिष्ठ नेताओं ने कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करते हुए संगठन की नीतियों को जन–जन तक पहुंचाने और जनता के बीच सक्रिय रहकर जनसेवा के कार्यों को गति देने का आह्वान किया। प्रदेश सचिव (शिक्षा मंच) अनिल चौधरी ने कहा कि पार्टी नेतृत्व के मार्गदर्शन में संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक सशक्त बनाने तथा जनसेवा के संकल्प के साथ निरंतर कार्य किया जाएगा।

सीमावर्ती गांवों में एसएसबी का निःशुल्क पशु चिकित्सा शिविर, 210 पशुओं का हुआ उपचार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। 43वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने गुरुवार को सीमावर्ती वाइब्रेंट विलेज बर्डपुर–7 में निरूशुल्क पशु चिकित्सा शिविर आयोजित किया। शिविर में 57 पशुपालकों के 210 पशुओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर निरूशुल्क दवाएं वितरित की गईं। एसएसबी की श्जीश समवाय अलीगढ़वा के तत्वावधान में आयोजित शिविर में पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. विनोद पांडेय ने पशुओं का उपचार किया और पशुपालकों को संतुलित आहार, समय पर टीकाकरण तथा बीमारियों से बचाव के उपाय बताए। साथ ही वैज्ञानिक तरीके से पशुपालन अपनाने के लिए जागरूक भी किया। कार्यक्रम में एसएसबी के सहायक उपनिरीक्षक किशन लाल, ग्राम प्रधान सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं पशुपालक मौजूद रहे।

सम्पादकीय

लेकिन वे पूरे देश में सीधे–सादे लोगों को अपना निशाना बना रहे हैं। बीते साल तीन सौ से अधिक संदिग्धों की गिरफ्तारी के बावजूद साइबर अपराधियों का नेटवर्क लगातार फैलता जा रहा है। बड़े पैमाने पर की गई सख्त कार्रवाई से भी अपराधियों में किसी तरह का भय न होना बताता है कि इस तरह के अपराधियों से निबटने के लिये असरदार जवाबी रणनीति बनाने की जरूरत है...

तकनीक व संकल्प से बने निपटने की रणनीति

संयुक्त राष्ट्र की एक चौंकाने वाली रिपोर्ट के अनुसार साल 2025 में एशिया प्रशांत क्षेत्र के नागरिकों को साइबर ठगी और ऑनलाइन धोखाधड़ी के जरिये साइबर अपराधियों ने 114 अरब डॉलर तक का नुकसान पहुंचाया है। यानी साइबर अपराधियों ने भौगोलिक सीमाओं को तोड़कर एक समानांतर आर्थिक साम्राज्य खड़ा कर दिया है। दरअसल, आधुनिक तकनीक का दुरुपयोग करके साइबर अपराधी डिजिटल अरेस्ट, डीपफेक, क्रिप्टोकरेंसी व फर्जी निवेश के प्रलोभन तथा विदेशों में नौकरी के सब्जबाग दिखाकर लोगों को लूट रहे हैं। भारत भी इस संकट से अछूता नहीं है। गाहे–बगाहे बुजुर्गों व सेवानिवृत्त अधिकारियों की जीवन–भर की जमा पूंजी लूटने के मामले भारत में प्रकाश में आते रहते हैं। दरअसल, पुरानी पीढ़ी डिजिटल दुनिया की जटिलताओं और प्रलोभनों से इन अपराधियों के बुने जाल में फंस जाती है। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट ने सुझाव दिया है कि आपराधिक कानूनों में 'डिजिटल अरेस्ट' को औपचारिक रूप से परिभाषित किया जाए। साथ ही इसे कड़ी सजा वाले एक अलग अपराध के तौर पर घोषित किया जाए। निश्चित रूप से डिजिटल अरेस्ट के बढ़ते अपराधों के चलते ऐसे मामलों में गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। दरअसल, डिजिटल अरेस्ट में अपराधी ऑडियो व वीडियो कॉल के जरिये पुलिस, अन्य जांच एजेंसियों के अधिकारी, अदालत के कर्मचारी तथा सरकारी अधिकारी बनकर पीड़ितों को इतना आतंकित करते हैं कि वे भयभीत होकर अपनी जीवनभर की जमा पूंजी लुटवा बैठते हैं। बीते साल भी अंबाला के एक ऐसे ही जोड़े के पत्र के आधार पर कोर्ट ने स्वतरू संज्ञान लिया था। हाल में संसद में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार साल 2024 में भारतीयों ने विभिन्न साइबर धोखाधड़ी के मामलों में 22,845 करोड़ रुपये गंवा दिए। इस दौरान साइबर अपराध की करीब 22 लाख घटनाएं सामने आई थीं। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि इस तरह के अपराधों से निपटने के लिये किए जा रहे बहुआयामी प्रयासों को एक मजबूत कानूनी ढांचा प्रदान किया जाए। निश्चित रूप से साइबर अपराध अब कभी–कभार होने वाली घटनाएं नहीं रह गई हैं। आज यह लगातार परेशान करने वाली हकीकत है।

दरअसल, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और ऑटोमेशन की सहायता से साइबर अपराधी नित नये और जटिल तरीकों से लोगों के बैंक खातों में सेंध लगाने का काम कर रहे हैं। इस संकट से निपटने में हमारी बैंकिंग व्यवस्था व नियामक वित्तीय अनुशासन बनाने वाली संस्थाएं कामयाब नहीं हो पा रही हैं। जैसे–जैसे प्रवर्तन एजेंसियां व पुलिस साइबर अपराधियों पर शिकंजा कसने की कोशिश में नई तकनीकों का उपयोग करते हैं, साइबर अपराधी नये तौर–तरीकों के जरिये और आगे निकल जाते हैं। निस्संदेह, यह एक कठिन चुनौती है, जिसके लिये हमें बचाव और तत्काल कार्रवाई की मजबूत रणनीति बनानी होगी। यहां यह विचारणीय प्रश्न है कि सिस्टम की किसी कमी का अपराधी कैसे आसानी से लाभ उठा जाते हैं। विडंबना यह भी है कि साइबर अपराध के नए रूप रातों–रात सामने आ जाते हैं। जब तक हम धोखाधड़ी का तुरंत पता लगाने और तुरंत कार्रवाई करने वाले सिस्टम नहीं बनाते, हमारा वित्तीय कामकाज अक्सर साइबर अपराधियों के निशाने पर बना रहेगा। कुछ समय पहले नूह और गुरुग्राम में बड़ी संख्या में साइबर अपराधियों का पता चला था। लेकिन आज अधिक संगठित साइबर धोखाधड़ी करने वाले वाले नए इलाकों का पता चल रहा है। इसमें कई अपराधी तो ऐसे हैं जिन्होंने कोई औपचारिक शिक्षा तक नहीं ली है। लेकिन वे पूरे देश में सीधे–सादे लोगों को अपना निशाना बना रहे हैं। बीते साल तीन सौ से अधिक संदिग्धों की गिरफ्तारी के बावजूद साइबर अपराधियों का नेटवर्क लगातार फैलता जा रहा है। बड़े पैमाने पर की गई सख्त कार्रवाई से भी अपराधियों में किसी तरह का भय न होना बताता है कि इस तरह के अपराधियों से निबटने के लिये असरदार जवाबी रणनीति बनाने की जरूरत है। जिसके अंतर्गत अपराधियों के लिये सख्त सजा का प्रावधान हो। अब यह धारणा बन रही है कि डेटा आधारित व्यवस्था में साइबर जोखिमों से बचना कठिन है। लेकिन फिर भी साइबर अपराधों से बचने के लिये सामूहिक संकल्प के साथ बड़े पैमाने पर जागरूकता, तकनीक आधारित सटीक संस्थागत मदद कारगर हो सकती है।

इस्तीफे पर बजे ढोल, मुद्दे वहीं खड़े

आजकल छात्रों की हर बेचौनी पर सबसे पहले रोटी सेंकने पहुंचते हैं राजनीति के महारथी। कोई अपनी विचारधारा की डुगडुगी बजाता है, कोई अपने झंडे का डंडा गाड़ता है। हरियाणा में कहावत हैकृ 'ब्याह म्हं आए थे, घोड़ी पै चढ़ बैठे।' गर्दन ढीली किए जंतर–मंतर से उठकर जब एक लड़का घर पहुंचा, तो उसके ताऊ ने पूछाकृ 'इस्तीफा हो गया?' लड़का बोलाकृ'हां।' फिर पिता ने पूछाकृ'तेरी सारी समस्या खत्म?' लड़के का जवाब थाकृ'ना।' अब उसकी मां बोलीकृ'फेर ढोल किस बात के बजा रहे थे?' लड़का निरुत्तर था। नौजवानों की न तो बेरोजगारी की समस्या हल हुई, न फीस की, न पेपरों की, और न ही नौकरी में रिजर्वेशन कीय तो अब लड़के के चाचा ने पूछाकृ'तो बेटा, तेरे हिस्से में क्या आया?' लड़का बोलाकृ'तीन रील, दो सेल्फी अर एक बड़े नेता जी का ऑटोग्राफ।' अचानक इस्तीफा आया अर सबने समझ लियाकृलो भई, नौजवानों की सारी समस्याएं बैलगाड़ी में बैठकर गांव लौट गईं। इस्तीफा होते ही सब ऐसे घर लौटे, जैसे खेत की सारी घास एक ही दरांती में कट गई हो। मंत्री का इस्तीफा होता है और जंतर–मंतर पर ढोल बजते हैं, विजयी मुद्रा में हाथ उठते हैं, धरना समाप्त हो जाता है। भीड़ लौट जाती है, मुद्दे वहीं खड़े रह जाते हैं। इस्तीफा आते ही कइयों के चेहरे यों उतर गए जैसे किसी मेले के आखिरी दिन झूला झूलने वाला बच्चा उदास हो जाए। हमारे समय की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि कुछ लोग आंदोलन में भाग नहीं लेते, आंदोलन का आनंद लेते हैं। उन्हें मुद्दे से कम, माहौल से अधिक प्रेम होता है, क्योंकि उनके लिए हर आंदोलन एक उत्सव है। लाल बहादुर शास्त्री ने रेल दुर्घटना की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दिया था। तो क्या उसके बाद रेल दुर्घटनाएं हमेशा के लिए समाप्त हो गईं? नहीं। इस्तीफा उत्तरदायित्व का प्रतीक हो सकता है, समाधान का पर्याय नहीं। अगर इस्तीफों से समस्याएं मिटतीं, तो इतिहास में शास्त्री जी का इस्तीफा आखिरी होता। हमारे यहां समस्या का समाधान नहीं होता, बस 'बलि का बकरा' बदल दिया जाता है। आजकल छात्रों की हर बेचौनी पर सबसे पहले रोटी सेंकने पहुंचते हैं राजनीति के महारथी। कोई अपनी विचारधारा की डुगडुगी बजाता है, कोई अपने झंडे का डंडा गाड़ता है। हरियाणा में कहावत हैकृ 'ब्याह म्हं आए थे, घोड़ी पै चढ़ बैठे।' कुछ नेता तो हमेशा ही भूमिगत राजनीति में विश्वास रखते हैं, जरूरत पड़ने पर ही कॉकरोच की तरह बाहर निकलते हैं। जरा सी हिट छिड़कते ही उनका सफाया होने लगता है।

बदलता भूजल प्रवाह बढ़ाता भवनों के लिए जोखिम

पहाड़ी क्षेत्रों में बहुमंजिला भवनों के निर्माण के लिए गहरी नींव आवश्यक होती है, जिससे भूमिगत जलवाहिनियों को क्षति पहुंचने या उनके प्राकृतिक प्रवाह में परिवर्तन की आशंका बढ़ जाती है। जोशीमठ जैसे क्षेत्रों में वर्षों से जारी असमान भू–धंसाव के कारण सतही और भूमिगत जल के प्रवाह तथा रिसाव की दिशा भी बदल सकती है। जिन इलाकों में भू–धंसाव हो रहा है, वहां खासकर बरसात में अधूरी नालियां ...

जोशीमठ भूधंसाव से उपजी चिंताओं तथा पहाड़ी शहरों को बचाने–बसाने के सिलसिले में भूजल विज्ञान की समझ जरूरी है। इन क्षेत्रों में भूजल की तेजी से व अप्रत्याशित घटत–बढ़त भवनों को लंबी अवधि में कमजोर ही करती है। यदि यह बाहर निकलता कम पानी पहले कहीं नींवों के आसपास जमा होने की वजह से है, तो भवनों की सुरक्षा के लिए जोखिम माना जाएगा।

पर्वतीय भूमिगत जल भंडारों पर वैश्विक स्तर पर भी बहुत विस्तृत अध्ययन कई कारणों से नहीं हो पाया है। उत्तराखंड जैसे घोषित पर्वतीय राज्य में भी यही स्थिति है। किंतु जोशीमठ भूधंसाव से बनी राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय चिंताओं तथा पहाड़ी नए–पुराने शहरों को बचाने–बसाने के क्रम में भूजल विज्ञान की जमीनी समझ अपरिहार्य हो गई है। जोशीमठ में 2 जनवरी, 2023 से एक कॉलोनी के चौनल से पानी निकलने की सूचना मिलने के बाद से ही सरकारी स्तर पर इसकी प्रतिदिन माप की जा रही है और तब से जलप्रवाह में लगातार उतार–चढ़ाव देखा जा रहा है। बयान जारी होते रहे हैं कि पानी के प्रवाह की दर इतनी कम हुई या इतनी ज्यादा हुई, या अब एकदम ही बंद हो गई है। पानी लोगों के घरों में भी दरारों के साथ आया था। ऐसे बयानों से आमजन के बीच यह धारणा विकसित करने की कोशिश होती है कि कम होता डिस्चार्ज भूधंसाव का जोखिम कम होने का सूचक है। ऐसा विश्लेषण करना वैज्ञानिक दृष्टि से सही नहीं होगा। यदि निर्माणों को आधार देने वाली परतों में जल रिसाव या जल निकासी घटती–बढ़ती रहती है अथवा चट्टानों के अपभ्रंशों में पानी सूखता–भरता रहता है, यानी उतार–चढ़ाव होता है, तो आधारित भवनों की नींवों पर काफी दबाव आ जाता है। भूजल की तेजी से अप्रत्याशित घटत–बढ़त भवनों को लंबी अवधि में कमजोर ही करती है। यदि यह बाहर निकलता कम पानी पहले कहीं नींवों के आसपास जमा होने के कारण कम हो रहा है, तो वह भवनों की सुरक्षा के लिए ठीक नहीं है। नींव के आसपास जमा पानी मृदा परतों की ताकत कम कर देता है। पहाड़ों में, खासकर चूने के अपभ्रंशों में भी पानी घुसता व जमा होता है। ठोस चट्टानों की दरारों से भी पानी घुसता है। घने जंगलों के चौड़ी पत्तियों वाले क्षेत्र में भी भूमिगत जल जमा होता है। रिसाव बर्फबारी से भी संभव है। अनुभव रहा है कि जब कभी अचानक नदी की धारा मंद हो जाती है, तो अंदेशा पैदा हो जाता है कि कहीं ऊपर नदी मार्ग में भूस्खलनों से अवरोध आ गया है। अब पानी कम दिख रहा है, किंतु जब वह अवरोध टूटेगा, तो नदी भीषण वेग में आ सकती है। जलवायु बदलाव की अतिरेकी घटनाओं के बीच ऐसे दंश बढ़ेंगे ही। कई बार गहराइयों तक पहुंची नींवों से भी पहाड़ों में जमीन के अंदर ढलानों में बहता जल–प्रवाह बाधित हो जाता है। ऐसे में जलधाराएं अन्य राहें ढूंढ़ लेती हैं व अन्य कमजोर भ्रंशों से फूटकर बाहर निकल सकती हैं। जमीन के भीतर यदि ढीली मिट्टी–पत्थर की परतें हों, तो जैसे सतह पर ढलानों में वेगमयी जल–प्रवाह मलबा–मिट्टी लेकर बढ़ता है, वैसे ही वे जमीन के भीतर भी मिट्टी–पत्थर लेकर बढ़ सकते हैं और मकानों, भवनों व पिलरों की नींव की मिट्टी बहाकर आगे ले जा सकते हैं। नींव के मेटिरियल के कटाव से मकान, भवन, पुल आदि तिरछे या ध्वस्त हो सकते हैं। यदि भवनों के आसपास किन्हीं कारणों से दरारें आ जाएं, तो भूमिगत नींवों के पास पहुंचा पानी भी मकानों, भवनों या अन्य कंक्रीट ढांचों को असुरक्षित व जर्जर बना सकता है। निर्माण संरचनाओं की नींवों के जितना निकट भूमिगत जल स्तर होता जाता है, उतनी ही नींव की भवन धारण क्षमता घटती जाती है। भूमिगत जल जितना नीचे होगा, उतना ही कम उसका असर निर्माण संरचनाओं पर पड़ेगा। शैल या मृदा परतों के रंध्रों में पहुंचा पानी पोर प्रेशर पर असर डालता है। यदि रंध्रों में पानी हवा को हटाकर अपनी जगह बना रहा है, तो पानी, वायु से भारी होने के कारण, शैल या मिट्टी की परतों का भार बढ़ा देता है। इससे सतह व भीतर के ढलावों (स्लोप्स) में अस्थिरता आ जाती है, जिससे निर्माणों में भी अस्थिरता आ सकती है। साथ ही, पानी जब किसी शैल या मृदा परत पर रिसता रहता है, तो वह उस परत के भौतिक व रासायनिक घटकों में बदलाव ले आता है। यदि शौचालय सीवर लाइनों से जुड़े नहीं हैं और उनका मल–मूत्र एवं शौच–जल परिसर में बने पिटों में ही जाता है, तो अत्यधिक उपयोग की स्थिति में भूमि के भीतर नींवों के आसपास रिसाव और जल–जमाव की समस्या पैदा हो सकती है। अधिकांश गांवों व बस्तियों में शौचालय सीवर नेटवर्क से जुड़े नहीं हैं, इसलिए यह जोखिम वहां भी विद्यमान है। ऐसे में यदि किसी स्थान पर सामान्य क्षमता से अधिक भीड़ शौचालयों और मूत्रालयों का उपयोग करे, तो पिटों पर अत्यधिक दबाव पड़ना, उनका क्षतिग्रस्त होना तथा रिसाव की समस्या बढ़ना स्वाभाविक है।

हमारे पड़ोस में एक पृथ्वी जैसा ग्रह!

{ दरअसल, ये छोटे तारे सूरज की तुलना में कहीं ज्यादा सक्रिय होते हैं। इनसे अक्सर ज्वालाएं और कोरोनल मास इजेक्शन द्धसूरज से निकलने वाली ऊर्जा और कणों की बौछारऋ निकलते रहते हैं, जो आसपास के ग्रहों के वायुमंडल को खत्म कर सकते हैं। फिलहाल इस रिसर्च ने जीजे 3378बी को उन ग्रहों की सूची में सबसे ऊपर ला दिया है जिनकी जीवन के लिए उपयुक्तता की जांच की जानी है। एंड्रल कहते हैं... }

जीजे 3378बी नामक यह ग्रह एक 'सुपर–अर्थ' है। वैसे यह ग्रह हमारी पृथ्वी से बड़ा है, लेकिन इसकी बनावट हमारी पृथ्वी की तरह चट्टानी हो सकती है, जो ब्रह्मांड में जीवन को सहारा देने वाला एकमात्र ज्ञात ग्रह है। बाद में की गई कई जांचों से पता चला है कि जीजे 3378बी अपने तारे से बिल्कुल सही दूरी पर स्थित है। इसका मतलब यह हुआ कि इसकी सतह पर तरल पानी हो सकता है। सौरमंडल के बाहर कई ग्रहों की पहचान हो चुकी है। इन ग्रहों में कुछ ग्रह पृथ्वी जैसे हो सकते हैं। इनमें पृथ्वी जैसा ग्रह एक हमारे बहुत करीब हो सकता है। खगोलविदों का कहना है कि जीजे 3378 नामक एक कम चमक वाले छोटे तारे (ड्वार्फ स्टार) का चक्कर काटने वाला एक ग्रह प्रारंभिक अनुमानों की तुलना में ज्यादा पृथ्वी जैसा हो सकता है। फ्रांसीसी खगोलविदों ने कनाडा–फ्रांस–हवाई टेलीस्कोप का उपयोग करके इस ग्रह की पहचान की थी। जीजे 3378बी नामक यह ग्रह एक 'सुपर–अर्थ' है। वैसे यह ग्रह हमारी पृथ्वी से बड़ा है, लेकिन इसकी बनावट हमारी पृथ्वी की तरह चट्टानी हो सकती है, जो ब्रह्मांड में जीवन को सहारा देने वाला एकमात्र ज्ञात ग्रह है। बाद में की गई कई जांचों से पता चला है कि जीजे 3378बी अपने तारे से बिल्कुल सही दूरी पर स्थित है। इसका मतलब यह हुआ कि इसकी सतह पर तरल पानी हो सकता है। सौरमंडल के बाहर कई ग्रहों की पहचान हो चुकी है। इन ग्रहों में कुछ ग्रह पृथ्वी जैसे हो सकते हैं। इनमें पृथ्वी जैसा ग्रह एक हमारे बहुत करीब हो सकता है। खगोलविदों का कहना है कि जीजे 3378 नामक एक कम चमक वाले छोटे तारे (ड्वार्फ स्टार) का चक्कर काटने वाला एक ग्रह प्रारंभिक अनुमानों की तुलना में ज्यादा पृथ्वी जैसा हो सकता है। फ्रांसीसी खगोलविदों ने कनाडा–फ्रांस–हवाई टेलीस्कोप का उपयोग करके इस ग्रह की पहचान की थी। जीजे 3378बी नामक यह ग्रह एक 'सुपर–अर्थ' है। वैसे यह ग्रह हमारी पृथ्वी से बड़ा है, लेकिन इसकी बनावट हमारी पृथ्वी की तरह चट्टानी हो सकती है, जो ब्रह्मांड में जीवन को सहारा देने वाला एकमात्र ज्ञात ग्रह है। बाद में की गई कई जांचों से पता चला है कि जीजे 3378बी अपने तारे से बिल्कुल सही दूरी पर स्थित है। इसका मतलब यह हुआ कि इसकी सतह पर तरल पानी हो सकता है। सौरमंडल के बाहर कई ग्रहों की पहचान हो चुकी है। इन ग्रहों में कुछ ग्रह पृथ्वी जैसे हो सकते हैं। इनमें पृथ्वी जैसा ग्रह एक हमारे बहुत करीब हो सकता है। खगोलविदों का कहना है कि जीजे 3378 नामक एक कम चमक वाले छोटे तारे (ड्वार्फ स्टार) का चक्कर काटने वाला एक ग्रह प्रारंभिक अनुमानों की तुलना में ज्यादा पृथ्वी जैसा हो सकता है। सिर्फ 25 प्रकाश–वर्ष की दूरी पर होने के कारण यह आवास योग्यता की विस्तृत जांच के लिए एक आकर्षक उम्मीदवार है। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया के खगोलविद पॉल रॉबर्टसन का कहना है कि यह '10–पारसेक सौर पड़ोस' में सबसे ज्यादा पृथ्वी जैसे संभावित बाहरी ग्रहों में से एक है। 10–पारसेक सौर पड़ोस अंतरिक्ष का एक गोलाकार आयतन है जो सूर्य से हर दिशा में 10 पारसेक (लगभग 32.6 प्रकाश वर्ष या 308.6 ट्रिलियन किलोमीटर) तक फैला हुआ है। रॉबर्टसन ने कहा कि यह हमारे सबसे करीबी ब्रह्मांडीय पड़ोसियों में से एक है। पच्चीस प्रकाश–वर्ष सुनने में तो बहुत दूर लगता है, लेकिन मिल्की वे आकाशगंगा लगभग 100,000 प्रकाश–वर्ष चौड़ी है, इसलिए उस लिहाज से यह हमारा पड़ोसी ही है। ब्रह्मांड के सबसे बड़े सवालों में से एक यह है कि क्या जीवन को सहारा देने की क्षमता के मामले में पृथ्वी अकेली है। वैज्ञानिक अभी भी उन विशेषताओं का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं जो किसी ग्रह को रहने लायक बना सकती हैं। मसलन वह किस तरह के तारे के चक्कर लगाता है। जिस ग्रह–प्रणाली में वह स्थित है, उसकी बनावट कैसी है, और क्या वहां टेक्टोनिक प्लेटें या वायुमंडल है या नहीं। इनमें से कुछ विशेषताओं का पता लगाना दूसरों की तुलना में ज्यादा मुश्किल होगा। लेकिन वैज्ञानिक सबसे पहले जिस चीज को चुनते हैं, वह है कक्षा की वह सीमा जिसे हम हैबिटेबल जोन (रहने लायक क्षेत्र) कहते हैं। यह बाहरी ग्रह और उसके मेजबान तारे के बीच की दूरी है, जो यह पता लगाने के लिए जरूरी है कि क्या उस बाहरी ग्रह की सतह पर तरल पानी हो सकता है। बहुत पास होने पर यह भाप बन जाता है और बहुत दूर होने पर यह जम जाता है। रॉबर्टसन कहते हैं, हमारा मंत्र है 'पानी का पीछा करो'। यह वह चीज है जिसकी पृथ्वी पर हर ज्ञात जीवित चीज को जरूरत होती है। इसलिए जब हम ऐसे माहौल की तलाश करते हैं जहां जीवन पनप सके, तो सबसे पहले हम इसी चीज को देखते हैं। अगला सवाल अक्सर बनावट का होता है। हम जानते हैं कि चट्टानी ग्रहों पर जीवन हो सकता है, क्योंकि हम खुद ऐसे ही ग्रह पर रह रहे हैं। दूसरी तरह के ग्रहों पर भी जीवन हो सकता है, लेकिन अभी हमें इसके बारे में जानकारी नहीं है। इसलिए, अगर हम संभावित ग्रहों की सूची छोटी करें, तो चट्टानी ग्रह उसमें शामिल होंगे, जबकि बाकी 'शायद' वाली श्रेणी में चले जाएंगे। जीजे 3378बी ने ग्रह वैज्ञानिकों का ध्यान उस समय खींचा जब शुरुआती विश्लेषण से यह पता चला कि इसका परिक्रमा का समय 24.73 दिन है, जिससे यह अपने तारे के रहने लायक क्षेत्र में आ गया। हालांकि, यह समय पृथ्वी के साल से काफी कम है, लेकिन बौने तारे सूरज की तुलना में बहुत ठंडे और कम चमकदार होते हैं, इसलिए रहने लायक क्षेत्र तारे के बहुत ज्यादा करीब होता है। यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सस के खगोलशास्त्री माइकल एंडल ने कहा, सबसे जरूरी चीज है सटीकता। कम द्रव्यमान वाले ग्रहों को खोजने के लिए हम हमेशा बहुत छोटे संकेतों की तलाश में रहते हैं। अगर हमारे उपकरण सटीक नहीं हैं, तो आप उन्हें नहीं ढूंढ़ पाएंगे। सटीक माप की वजह से शोधकर्ता जीजे 3378बी के द्रव्यमान और कक्षा के बारे में ज्यादा सटीक जानकारी हासिल कर पाए। पता चला है कि इसकी कक्षा तारे के ज्यादा करीब है। इसका समय 21.45 दिन है। यह अभी भी रहने लायक क्षेत्र के अंदर ही है। रॉबर्टसन कहते हैं, इस सुपर–अर्थ को अपने मेजबान तारे से उतना ही रेडिएशन मिलता है जितना पृथ्वी को अपने सूरज से मिलता है, इसलिए यह बिल्कुल सही जगह पर है। इसका नया मापा गया द्रव्यमान भी इसे सुपर–अर्थ के लिए एकदम सही जगह पर रखता है। इसका मतलब यह नहीं है कि जीजे 3378बी पर जीवन संभव है। अंतरिक्ष के वैक्यूम के संपर्क में आने पर कोई भी तरल पानी सीधे गैस में बदल जाएगा।

सोशल मीडिया पर अविश्वसनीय स्रोतों तक अधिकांश लोगों की पहुंच सीमित, नए अध्ययन में दावा

सिडनी। (द कन्वरसेशन) सोशल मीडिया पर हमें जो कुछ दिखाई देता है, उसमें कितना हिस्सा ऐसी पोस्ट का होता है, जो बार–बार झूठी जानकारी फैलाने वाले स्रोतों से आती हैं? और अगर ऐसी सामग्री आपकी 'फीड' से चुपचाप हटा दी जाए, तो क्या कुछ महीनों बाद आपकी सोच या मान्यताओं में कोई बदलाव आएगा? इन्हीं सवालों का जवाब तलाशने की कोशिश की है 'साइंस एडवांसेज' में प्रकाशित एक नए अध्ययन ने।

यह अध्ययन फेसबुक और इंस्टाग्राम की मूल कंपनी मेटा तथा कई विश्वविद्यालयों के शोधकर्ताओं ने मिलकर 2020 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के दौरान किया। इसकी सबसे खास बात यह रही कि यह अध्ययन सीधे फेसबुक और इंस्टाग्राम के वास्तविक न्यूज फीड पर किया गया। पहली नजर में इसके निष्कर्ष राहत देने वाले लगते हैं। अध्ययन के मुताबिक अधिकांश लोगों तक झूठी सूचनाएं बहुत कम पहुंचीं और यदि उन्हें फीड से हटा भी दिया गया तो लोगों की मान्यताओं या सोच में कोई खास बदलाव नहीं आया। लेकिन सोशल मीडिया पर गलत सूचनाओं के प्रसार का अध्ययन करने वाले एक शोधकर्ता के तौर पर मेरा मानना है कि इस अध्ययन के नतीजों से ज्यादा महत्वपूर्ण वे सीमाएं हैं, जिनके भीतर यह शोध किया गया। असली कहानी इन्हीं बारीकियों में छिपी है।

सोशल मीडिया के असर को मापना इतना आसान नहीं रू किसी व्यक्ति की राजनीतिक सोच केवल सोशल मीडिया से नहीं बनती। उस पर टीवी, रेडियो, नेताओं के भाषण, परिवार, मित्रों और सामाजिक माहौल का भी गहरा प्रभाव पड़ता है। ऐसे में यह तय करना बेहद मुश्किल है कि किसी व्यक्ति की सोच में सोशल मीडिया का योगदान आखिर कितना है।

एक और चुनौती यह है कि लोग अक्सर अपनी पसंद के मुताबिक ही जानकारी चुनते हैं। जो लोग पहले से ही कट्टर या अतिवादी विचारों में रुचि रखते हैं, वे वैसी ही सामग्री देखने वाले लोगों के बीच रहना पसंद करते हैं। ऐसे समूह छोटे लेकिन बेहद सघन होते हैं।

इसलिए केवल लोगों के व्यवहार को देखकर यह समझना लगभग असंभव है कि सोशल मीडिया वास्तव में उनकी सोच को बदल रहा है या नहीं। इस समस्या का सबसे भरोसेमंद समाधान है– 'रैंडमाइज्ड' प्रयोग, यानी ऐसा अध्ययन जिसमें कुछ लोगों की सोशल मीडिया फीड को नियंत्रित तरीके से बदला जाए और बाकी लोगों की नहीं। ऐसा प्रयोग केवल सोशल मीडिया मंच ही कर सकता है।

यही वजह है कि यह अध्ययन विशेष महत्व रखता है। कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले के शोधकर्ता ओलिवियर बर्जरॉन–बुटिन के नेतृत्व में टीम ने सबसे पहले यह जानने की कोशिश की कि अमेरिका में फेसबुक और इंस्टाग्राम उपयोगकर्ताओं की फीड में कितनी सामग्री ऐसे स्रोतों से आती है, जिन्हें बार–बार झूठी जानकारी फैलाने वाला माना गया है। इसके लिए शोधकर्ताओं ने अमेरिका के 23.1 करोड़ फेसबुक खातों और 20 करोड़ इंस्टाग्राम खातों का विश्लेषण किया।

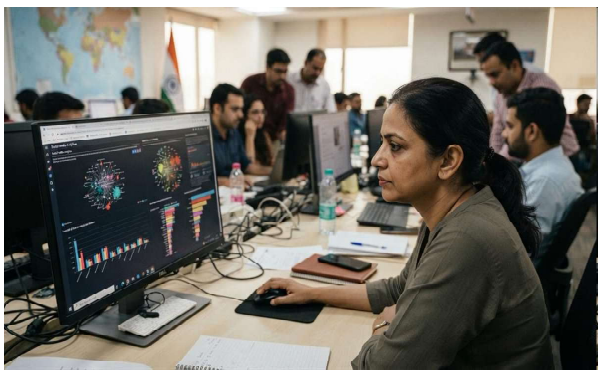

ऐसे स्रोतों में वे फेसबुक पेज, समूह, इंस्टाग्राम खाते और वेबसाइट्स शामिल थीं, जिन्हें मेटा के स्वतंत्र 'फैक्ट–चेकर' कई बार गलत या भ्रामक जानकारी फैलाने का दोषी ठहरा चुके थे। इसके परिणाम चौंकाने वाले थे। औसतन एक फेसबुक उपयोगकर्ता की फीड में केवल 1.1 प्रतिशत सामग्री ही ऐसे गैर भरोसेमंद स्रोतों से आती थी।

इंस्टाग्राम पर यह आंकड़ा और भी कम, महज 0.1 प्रतिशत था। लेकिन तस्वीर का दूसरा पहलू इससे बिल्कुल अलग था। गलत जानकारी का प्रसार पूरे मंच पर समान रूप से नहीं फैला था, बल्कि यह कुछ चुनिंदा उपयोगकर्ताओं तक बहुत अधिक केंद्रित था।

उदाहरण के लिए, लगभग 5.3 करोड़ फेसबुक उपयोगकर्ता, जो कुल उपयोगकर्ताओं का करीब 23 प्रतिशत थे, उन्हें गैर भरोसेमंद स्रोतों से आने वाली लगभग 80 प्रतिशत सामग्री दिखाई दे रही थी। सबसे ज्यादा प्रभावित 2.5 प्रतिशत उपयोगकर्ताओं की स्थिति और भी अलग थी। उनके लिए फेसबुक पेज और समूहों से मिलने वाली राजनीतिक और सामाजिक सामग्री का लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा इन्हीं गैर भरोसेमंद स्रोतों से आता था।

अमेरिका में 2020 के राष्ट्रपति चुनाव के आसपास तीन महीनों तक शोधकर्ताओं ने लगभग 16 हजार स्वयंसेवी उपयोगकर्ताओं को दो समूहों में बांट दिया। एक समूह की फेसबुक और इंस्टाग्राम फीड से उन सभी स्रोतों की पोस्ट हटा दी गईं, जिन्हें बार–बार झूठी जानकारी फैलाने वाला माना गया था। दूसरे समूह की फीड में कोई बदलाव नहीं किया गया।

इस प्रयोग के बाद जिन उपयोगकर्ताओं की फीड में बदलाव किया गया, वहां ऐसे संदिग्ध स्रोतों से आने वाली सामग्री लगभग 70 प्रतिशत तक कम हो गई। शोधकर्ताओं ने यह जानने के लिए 10 अलग–अलग पहलुओं का आकलन किया कि एल्गोरिद्म में बदलाव का लोगों पर कोई असर पड़ा या नहीं। इनमें यह देखा गया कि क्या वे झूठे दावों पर पहले की तुलना में कम विश्वास करने लगे, क्या सही और गलत जानकारी में फर्क पहचानने की उनकी क्षमता बेहतर हुई, क्या राजनीतिक ध्रुवीकरण कम हुआ और मीडिया पर उनका भरोसा बदला या नहीं। नतीजा साफ था कि लगभग कुछ भी नहीं बदला। यहां तक कि जो लोग सबसे ज्यादा संदिग्ध सामग्री देखते थे, उनकी सोच में भी कोई स्पष्ट बदलाव दर्ज नहीं हुआ। हालांकि शोधकर्ताओं ने यह भी माना कि इस छोटे समूह से जुड़े आंकड़े अपेक्षाकृत कम सटीक हैं।

इस अध्ययन की सबसे बड़ी कमजोरी वहीं है, जहां इसके निष्कर्षों और उनकी संभावित व्याख्या के बीच अंतर पैदा होता है। शोध में किसी स्रोत को तभी 'गैर भरोसेमंद' माना गया, जब मेटा के स्वतंत्र फैक्ट–चेकर उसे कम–से–कम दो बार झूठी या भ्रामक जानकारी फैलाते हुए पकड़ चुके थे। जनवरी 2020 में इन फैक्ट–चेकर ने अमेरिका में लगभग 300 दावों की जांच प्रकाशित की थी।

बाद में मेटा के सॉफ्टवेयर ने उन्हीं निष्कर्षों के आधार पर 2020 के दौरान लगभग 18 करोड़ पोस्ट पर चेतावनी का लेबल लगाया। लेकिन समस्या यह है कि जो सामग्री इस जांच प्रक्रिया की पकड़ में ही नहीं आई, उसे स्वतः भरोसेमंद मान लिया गया। यानी जब अध्ययन कहता है कि "गैर भरोसेमंद स्रोतों से लोगों का सामना बहुत कम हुआ", तो उसका वास्तविक अर्थ यह है कि केवल उन स्रोतों से सामना कम हुआ जिन्हें फैक्ट–चेकर पहचान पाए।

जो भ्रामक सामग्री उनकी नजर से बच गई, वह इस अध्ययन में दिखाई ही नहीं देती। कोविड–19 टीकों से जुड़ी सूचनाओं पर किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि ऐसी भ्रामक सामग्री, जिस पर कभी चेतावनी का लेबल नहीं लगाया गया, उसका कुल प्रभाव फैक्ट–चेकर द्वारा पकड़ी गई सभी गलत सूचनाओं की तुलना में लगभग 46 गुना अधिक था। दूसरे शब्दों में, सबसे ज्यादा असर डालने वाली गलत जानकारी शायद वही थी, जिसे कभी 'गलत' घोषित ही नहीं किया गया।

इसी तरह, जब किसी देश के समर्थन से चलाए जाने वाले दुष्प्रचार अभियान सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते हैं, तो वे अक्सर नए–नए खाते बनाते रहते हैं। इस कारण वे फैक्ट–चेकिंग की तय सीमा तक पहुंचने से पहले ही अपना नेटवर्क बदल देते हैं और जांच प्रणाली की पकड़ से बाहर बने रहते हैं। अध्ययन की एक और बड़ी कमजोरी यह है कि जिस फेसबुक पर यह प्रयोग किया गया, वह आम दिनों वाला फेसबुक नहीं था। अमेरिका के राष्ट्रपति के 2020 के चुनाव से पहले मेटा ने झूठी सूचनाओं के प्रसार को रोकने के लिए 63 आपातकालीन कदम लागू किए थे। इनका असर सभी उपयोगकर्ताओं की फीड पर पड़ा था। बाद में एक अन्य विश्लेषण में अनुमान लगाया गया कि इन उपायों के कारण सामान्य फेसबुक फीड में गैर भरोसेमंद स्रोतों से आने वाली सामग्री पहले ही लगभग 24 प्रतिशत कम हो चुकी थी। यानी यह प्रयोग पहले से काफी हद तक "साफ" किए जा चुके सोशल मीडिया मंच पर किया गया था। दूसरी ओर, किसी व्यक्ति की राजनीतिक और सामाजिक मान्यताएं वर्षों, बल्कि दशकों में बनती हैं। वे उसकी पहचान, परिवार, समाज और अनुभवों से जुड़ी होती हैं।

ऐसे में कुछ पोस्ट हटाने भर से लोगों की सोच बदल जाने की उम्मीद करना शायद अवास्तविक है। लेखक को आशंका है कि बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियां इस अध्ययन के निष्कर्षों को अपने पक्ष में पेश कर सकती हैं। उदाहरण के लिए वे कह सकती हैं कि "उपयोगकर्ताओं को झूठी जानकारी बहुत कम दिखाई देती है।" या फिर यह तर्क दे सकती हैं कि "गलत सूचनाओं को हटाने से लोगों की सोच में कोई बदलाव नहीं आता, इसलिए 'कंटेंट मॉडरेशन' की जरूरत ही क्या है?" 'कंटेंट मॉडरेशन' वह प्रक्रिया है, जिसके तहत सोशल मीडिया कंपनियां यह तय करती हैं कि कौन–सी पोस्ट, वीडियो, फोटो या टिप्पणी मंच पर बनी रहेगी और कौन–सी हटाई या सीमित की जाएगी।

लेकिन निष्कर्ष निकालने से पहले यह समझना जरूरी है कि इस शोध का दायरा आखिर क्या था। इस शोध ने उन सभी गलत सूचनाओं का अध्ययन नहीं किया जो सोशल मीडिया पर मौजूद थीं। इसमें केवल उन्हीं स्रोतों को शामिल किया गया था, जिन्हें पहले ही बार–बार गलत जानकारी फैलाने वाला घोषित किया जा चुका था। ऐसे में इन निष्कर्षों को पूरी सोशल मीडिया दुनिया पर लागू कर देना उचित नहीं होगा।

एफआईएच वर्ल्ड कप से पहले हॉकी टीम की भगवा जर्सी पर बवाल, पूर्व कप्तान भड़के, प्रियंका ने भी उठाए सवाल

अगले महीने नीदरलैंड और बेल्जियम में होने वाले FIH वर्ल्ड कप में भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमें अपनी पारंपरिक नीली किट के बजाय केसरिया जर्सी में नजर आएंगी। इस बदलाव पर पूर्व कप्तान विरेन रासकिन्हा ने सवाल उठाए हैं। हॉकी इंडिया ने अपने सोशल मीडिया पेजों पर नई जर्सी को पेश करते हुए कहा कि जर्सी का डिजाइन और रंग एक कहानी बताने और भारत का गौरव दिखाने के लिए है।

विरेन रासकिन्हा ने कहा कि मुझे कहना होगा कि हॉकी इंडिया ने भारतीय हॉकी के लिए कई अच्छे काम किए हैं। लेकिन यह शर्मनाक है। भारतीय टीम की पहचान और विरासत हमेशा से नीला रंग रही है। मैंने कई सालों तक गर्व के साथ नीली जर्सी पहनी है। फैंस हमारी भारतीय टीम को नीले रंग में देखना चाहते हैं। नारंगी रंग का क्या लॉजिक है? भारतीय हॉकी में उनके कद को देखते हुए, उनकी बातों का काफी असर हुआ है।

सीनियर नेशनल टीम के कप्तान बनने से पहले, यह पूर्व मिडफील्डर भारत की 2001 FIH जूनियर वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम का अहम सदस्य था। उन्होंने 2004 एथेंस ओलंपिक्स में भारत का प्रतिनिधित्व किया, 2006 मेन्स हॉकी वर्ल्ड कप में खेले और चौंपियंस ट्रॉफी में भी हिस्सा लिया, जिससे उन्हें अपनी पीढ़ी के देश के बेहतरीन मिडफील्डर्स में से एक के तौर पर पहचान मिली। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप कुमार तिर्की ने गुरुवार को भारतीय पुरुष और महिला

हॉकी टीमों की जर्सी का प्राथमिक रंग नीले से बदलकर नारंगी करने के फैसले के बारे में स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि यह बदलाव खिलाड़ियों, कोचों और सहायक कर्मचारियों द्वारा नीले हॉकी मैदान पर दृश्यता संबंधी समस्याओं के कारण सुझाया गया था।

जर्सी के रंग में बदलाव से विवाद खड़ा हो गया हैय भारत के पूर्व कप्तान और ओलंपियन विरेन रास्क्विन्हा ने इस फैसले पर सवाल उठाए हैं और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी इस कदम की आलोचना की है। ANI से बात करते हुए टिर्की ने कहा कि नई जर्सी FIH पुरुष और महिला हॉकी वर्ल्ड कप से पहले लॉन्च की गईं। ये टूर्नामेंट क्रमशः 14 और 15 अगस्त को नीदरलैंड और बेल्जियम में शुरू होने वाले हैं।

तिर्की ने ।छप् को बताया कि तो इस बार नारंगी रंग चुना गया है। और हाँ, मैं मानता हूँ कि कई सालों से टीम इंडिया नीली जर्सी पहनती रही है। हमने नीली जर्सी पहनकर कई टूर्नामेंट खेले हैं, कई अहम टूर्नामेंट खेले हैं... मैंने खुद भी नीली जर्सी पहनकर खेला है। लेकिन इस बार जो बदलाव किया गया है—और ऐसा पहली बार नहीं हो रहा हैय मुझे लगता है कि 2014 में टीम ने पीली जर्सी पहनी थी और 2018 में भी हल्के नीले रंग का इस्तेमाल हुआ था—यह सुझाव सीधे हमारे कोच, सपोर्ट स्टाफ, खिलाड़ियों और टीम कप्तानों की तरफ से आया था।

इस बदलाव की वजह बताते हुए हॉकी इंडिया के प्रेसिडेंट ने कहा कि खिलाड़ियों और कोचों को लगा कि नीले टर्फ पर नीले रंग की जर्सी पहनने से मैच के दौरान देखने में दिक्कत होती है। उन्होंने कहा कि उनका सुझाव था कि मैदान पर हॉकी टर्फ नीला है और खिलाड़ियों की किट भी नीली है। इसलिए, रंगों के एक जैसे होने की वजह से खेल के दौरान उन्हें देखने में दिक्कत हो रही थी। उन्हें कहीं न कहीं यह समस्या महसूस हो रही थी। टिर्की ने बताया कि टीम ने दो रंगों – पीले और नारंगी – का सुझाव दिया था, जिनमें से आखिर में नारंगी रंग को चुना गया क्योंकि यह भारतीय राष्ट्रीय ध्वज में भी शामिल है।

आईपीएल चैम्पियन स्टीफन फ्लेमिंग बन सकते हैं इंग्लैंड के नए टेस्ट कोच, ईसीबी ने साधा संपर्क

चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व हेड कोच स्टीफन फ्लेमिंग, इंग्लैंड की टेस्ट टीम के हेड कोच के तौर पर ब्रेंडन मैकुलम की जगह लेने के लिए सबसे पसंदीदा उम्मीदवार हैं। स्टीफन फ्लेमिंग ने CSK के हेड कोच का पद छोड़ दिया है, जिस पर वे 2009 से बने हुए थे और इस तरह फ्रैंचाइजी के साथ उनका 18 साल का साथ खत्म हो गया। वहीं, न्यूजीलैंड से इंग्लैंड की हार के बाद ब्रेंडन मैकुलम को हटा दिया गया था। फ्लेमिंग को IPL फ्रैंचाइजी के साथ बहुत सफलता मिली हैय उन्होंने हेड कोच के तौर पर टीम को पांच बार IPL का खिताब जिताया है। कोच मैकुलम को हटाए जाने के बाद, क्रिकइन्फो की रिपोर्ट है कि म्ठ के मैनेजिंग डायरेक्टर रॉब की ने इंग्लैंड की टेस्ट टीम के हेड कोच के रोल के लिए फ्लेमिंग से बातचीत की है। कुछ अन्य दावेदारों में एंडी फ्लावर, टॉम मूडी, रिचर्ड डॉसन और जोनाथन ट्रॉट शामिल हैं, लेकिन फ्लेमिंग को सबसे आगे माना जा रहा है। इसके अलावा, फ्लेमिंग को इंग्लिश सेटअप का कुछ अनुभव भी है, क्योंकि वे मिडलसेक्स, यॉर्कशायर और नॉटिंघमशायर जैसी काउंटी टीमों के लिए खेल चुके हैं। अभी यह पक्का नहीं है कि फ्लेमिंग पाकिस्तान के खिलाफ इंग्लैंड की आने वाली टेस्ट सीरीज के लिए जिम्मेदारी संभालेंगे या नहीं। फिलहाल, असिस्टेंट कोच मार्कस ट्रेस्कोथिक इस सीरीज के लिए अंतरिम हेड कोच के तौर पर टीम की कमान संभाल सकते हैं। अगर फ्लेमिंग टीम के नए टेस्ट हेड कोच बनते हैं, तो उनका पहला काम इंग्लिश टीम में नई जान फूंकना होगा, क्योंकि टीम को हाल ही में भारत के खिलाफ सीरीज 2–2 से ड्रॉ, एशेज में 4–1 से करारी हार और न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में 2–1 से हार का सामना करना पड़ा है।

रूस के मिसाइल हमलों से यूक्रेन के पूर्वी और पश्चिमी हिस्से थर्राए

सात लोगों की मौत और कई घायल

कीव। रूस ने बुधवार और बृहस्पतिवार की दरमियानी रात यूक्रेन के पूर्वी से लेकर पश्चिमी हिस्सों तक कई स्थानों पर मिसाइल और अन्य हथियारों से हमले किए, जिनमें कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, सबसे अधिक जनहानि पूर्वी निप्रोपेत्रोव्स्क और पश्चिमी ल्वीव क्षेत्रों में हुई।

हाल के महीनों में रूस ने यूक्रेन के शहरों पर हमले तेज कर दिए हैं और अब ऐसे हमले लगभग हर सप्ताह हो रहे हैं। निप्रोपेत्रोव्स्क क्षेत्र के सैन्य प्रशासन प्रमुख ओलेक्सांद्र हांझा ने बताया कि रूसी बलों के बड़े हमले में छह लोगों की मौत हो गई, 10 अन्य घायल हुए तथा नागरिक ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा। उन्होंने टेलीग्राम पर बताया कि मृतकों में बच्चे भी

शामिल हैं।

इनमें छह वर्षीय एक बच्ची तथा 11 और 17 वर्ष के दो किशोर शामिल हैं, जिनकी मौत क्रिवी रीह क्षेत्र में हुई। ल्वीव क्षेत्रीय सैन्य प्रशासन के प्रमुख मक्सिम कोजित्स्की ने बताया कि रूसी मिसाइल हमले में घायलों की संख्या बढ़कर 30 हो गई है और बचाव अभियान जारी है। ल्वीव के महापौर आंद्री सादोवी ने बताया कि शहर पर तड़के करीब 4.45 बजे हमला किया गया। दो रिहायशी इमारतों को सबसे अधिक नुकसान पहुंचा, जबकि 20 से अधिक आवासीय भवन, एक स्कूल और दो किंडरगार्टन भी क्षतिग्रस्त हुए। उन्होंने कहा कि घायलों में बच्चे भी शामिल हैं, जिनमें से एक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। राजधानी कीव में रूसी बलों ने बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया, जिसमें 31 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए।

राष्ट्रीय पुलिस की प्रेस सेवा ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, हमले में शहर की रिहायशी इमारतों, एक बाजार, गैराज परिसर, भंडारण सुविधाओं और कई वाहनों को नुकसान पहुंचा। कीव क्षेत्र के ब्रोवेरी जिले में भी पांच लोग घायल हुए हैं।

कार्यवाहक क्षेत्रीय प्रशासन प्रमुख रुसलान ओलियीनिक ने फेसबुक पर बताया कि घायलों में एक नाबालिग और दो महिलाएं शामिल हैं।

अमेरिका की अदालत ने वीजा धोखाधड़ी के दोषी भारतीय नागरिक को सजा सुनाई और देश से निकालने का आदेश दिया

वाशिंगटन,। अमेरिका की एक संघीय अदालत ने एक भारतीय नागरिक को वीजा धोखाधड़ी और हथियारबंद डकैती की साजिश रचने का दोषी करार देते हुए एक दिन कारावास और एक हजार अमेरिकी डॉलर जुर्माने की सजा सुनाई है। साथ ही उसे देश से निष्कासित करने का भी आदेश दिया है। मैसाचुसेट्स के वॉर्सेस्टर निवासी मितुल पटेल (40) को बुधवार को बोस्टन की अमेरिकी जिला अदालत ने सजा सुनाई। उसे कुछ दुकानों में हथियारों के साथ डकैती का नाटक करने की साजिश रचने के मामले में सजा दी गई। डकैती का नाटक करने का उद्देश्य दुकानों के कर्मियों को आव्रजन आवेदनों में यह झूठा दावा करने में मदद करना था कि वे अपराध के शिकार हुए हैं। अदालत में पटेल और इस साजिश में शामिल 10 अन्य लोगों ने जून 2026 में अपना अपराध स्वीकार कर लिया। आरोप–पत्र के अनुसार, मार्च 2023 से रामभाई पटेल और उनके साथियों ने मैसाचुसेट्स और अन्य जगहों पर कम से कम छह किराना धशराब की दुकानों और फास्ट–फूड रेस्तरां में हथियारों के साथ दिखावटी डकैतियां कीं। आरोप है कि इन दिखावटी डकैतियों का उद्देश्य था कि वहां मौजूद क्लर्क 'यू गैर आव्रजक दर्जा' (यू वीजा) के लिए आवेदन करते समय यह झूठा दावा कर सकें कि वे किसी हिंसक अपराध का शिकार हुए थे। मितुल पटेल ने अक्टूबर 2023 में वॉर्सेस्टर के एक स्टोर में की गई दिखावटी डकैती में 'पीड़ित' के तौर पर शामिल होने के लिए रामभाई पटेल को पैसे दिए थे। अमेरिका में यू वीजा उन सूचीबद्ध अपराधों के पीड़ितों को मिल सकता है जिन्होंने मानसिक या शारीरिक शोषण का सामना किया है और आपराधिक गतिविधियों की जांच या मुकदमे में कानून प्रवर्तन एजेंसियों की मदद की है।

नाली का निर्माण रोका, किया प्रदर्शन

जौनपुर। जफराबाद कस्बे के दरीबा मुहल्ले में ह्यूम पाइप से नाली निर्माण करवाने की मांग करते हुए मुहल्ले के लोगों ने बुधवार को प्रदर्शन करते हुए काम रोक दिया। ठेकेदार ने निर्माण कार्य जैसे शुरू कराया मुहल्ले के लोग मौके पर पहुंच गए और कार्य रुकवाकर प्रदर्शन शुरू कर दिया।उनका कहना है कि नाली बनाने के बाद जो ढक्कन लगता है वह वाहनों और ट्रैक्टरों के आवागमन से समय से पहले क्षतिग्रस्त हो जाता है।इसी को देखते हुए लोग ह्यूम पाइप से नाली बनवाने की मांग पर अडिग है। लोगों का कहना है कि उन्हें विकास कार्य से कोई आपत्ति नहीं है।परन्तु नाली टिकाऊ नही होगी। नगर पंचायत अध्यक्ष के प्रतिनिधि डॉ. सरफराज खान ने कहा कि ऊक्त स्थान पर ढक्कन वाली नाली का प्रस्ताव पास है।उसका ही बजट भी पास हुआ है।लोगो की मांग पर सहमत होकर जब प्रारूप बदलने के किये अधिकारियों ह्यूम पाइप लगवाने के लिए बात किया।अधिकारियों ने कहा वह अब बदलना मुश्किल है।

नेपाल के सुनसरी जिले में सांप्रदायिक हिंसा के बाद चौथे दिन भी अनिश्चितकालीन कर्फ्यू जारी

काठमांडू, । नेपाल के कोशी प्रांत में भारत की सीमा से लगे सुनसरी जिले के कई हिस्सों में सांप्रदायिक हिंसा के बाद बृहस्पतिवार को लगातार चौथे दिन अनिश्चितकालीन कर्फ्यू जारी रहा। इस हिंसा में एक व्यक्ति की मौत हो गई है जबकि कई अन्य लोग घायल हुए हैं। सुनसरी के सहायक मुख्य जिला अधिकारी पोषण लामिछाने ने कहा कि जिले में सुरक्षा स्थिति में धीरे–धीरे सुधार हो रहा है। उन्होंने बताया कि स्थिति को नियंत्रित करने के लिए जिला प्रशासन ने सोमवार को पहली बार कर्फ्यू लगाया था। बाद में इसका विस्तार करते हुए पूर्व–पश्चिम राजमार्ग समेत 10 इलाकों को इसके दायरे में शामिल कर लिया गया। अधिकारी ने बताया कि कर्फ्यू अगले आदेश तक जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि कर्फ्यू के तहत आवाजाही, एकत्र होने, प्रदर्शन करने, जनसभा करने और धरने देने जैसी लोगों की गतिविधियों पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया गया है। इसके अलावा, विभिन्न संवेदनशील इलाकों और सरकारी कार्यालयों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने देश में, विशेष रूप से सुनसरी जिले में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा के लिए बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की बैठक बुलाई है। दो धार्मिक समुदायों के उत्सव के दौरान हुए विवाद के बाद आपस में भिड़े समूहों को तितर–बितर करने के लिए पुलिस द्वारा की गई गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई और सुरक्षाकर्मियों सहित 12 से अधिक लोग घायल हो गए।

दिव्यांगजनों के लिए सुनहरा अवसरः मिलेगी मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल

16 वर्ष से अधिक आयु, 80% दिव्यांगता और ₹22,500 से कम मासिक आय वाले पात्र

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने और उनके आवागमन को सुगम एवं सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल वितरण योजना के लिए पात्रता, आय सीमा एवं आवश्यक दस्तावेजों संबंधी दिशा–निर्देश जारी कर दिए गए हैं। विभाग ने पात्र दिव्यांगजनों से समय रहते आवेदन कर योजना का लाभ उठाने की अपील की है। जारी गाइडलाइन के अनुसार योजना का लाभ केवल उन्हीं दिव्यांगजनों को मिलेगा जिनकी आयु 16 वर्ष या उससे अधिक है तथा उनके पास 80 प्रतिशत या उससे अधिक दिव्यांगता का डिजिटल यूडीआईडी कार्ड उपलब्ध है। इसके साथ ही आवेदक की सभी स्रोतों से कुल मासिक आय ₹22,500 से कम होना अनिवार्य है। योजना की एक महत्वपूर्ण शर्त यह भी है कि आवेदक ने पिछले पांच वर्षों के दौरान भारत सरकार, राज्य सरकार अथवा किसी शासकीय, अशासकीय या सामाजिक संस्था से मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल का लाभ प्राप्त न किया हो। आवेदन के साथ आधार कार्ड, 80 प्रतिशत या उससे अधिक दिव्यांगता का डिजिटल यूडीआईडी कार्ड तथा आय प्रमाण–पत्र संलग्न करना होगा। आय प्रमाण–पत्र के रूप में राजस्व विभाग या तहसील से जारी प्रमाण–पत्र, बीपीएल कार्ड, मनरेगा कार्ड अथवा सांसद, विधायक या ग्राम प्रधान द्वारा जारी/स्वप्रमाणित आय प्रमाण–पत्र मान्य होंगे।

समय रहते करें आवेदन संबंधित विभाग ने पात्र दिव्यांगजनों से अपील की है कि वे सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार समय रहते आवेदन करें, ताकि योजना का लाभ प्राप्त कर वे आत्मनिर्भर जीवन की ओर एक मजबूत कदम बढ़ा सकें।

बदहाल सड़क की मरम्मत के लिए ग्रामीणों ने डीएम से लगाई गुहार

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद के विकासखंड कटरा बाजार की ग्रामसभा कोटिया मदारा के मजरा अशोकवापुर में वर्षों से जर्जर पड़ी सड़क को लेकर ग्रामीणों का धैर्य अब जवाब देने लगा है। चर्चा के मुताबिक ग्राम निवासी दीप नारायण शुक्ला ने बुधवार को जिलाधिकारी गोन्डा को प्रार्थना–पत्र सौंपकर गांव की एकमात्र संपर्क सड़क की मरम्मत कराए जाने की मांग की है। उन्होंने बताया कि यह सड़क दुबहा बाजार संपर्क मार्ग से होकर अशोकवापुर गांव तक जाती है और पूरे गांव के लोगों के आवागमन का प्रमुख साधन है। प्रार्थना–पत्र में आरोप लगाया गया है कि वर्ष 2000 के बाद से इस सड़क पर कोई निर्माण या मरम्मत कार्य नहीं कराया गया। पहले यहां खड़ंजा मार्ग बना था, लेकिन समय के साथ वह पूरी तरह उखड़ चुका है। वर्तमान में सड़क गड्ढों और कीचड़ में तब्दील हो गई है, जिससे राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। विशेष रूप से बरसात के मौसम में हालात और भी बदतर हो जाते हैं। ग्रामीणों, बुजुर्गों, महिलाओं और स्कूली बच्चों को रोजाना जान जोखिम में डालकर इस रास्ते से गुजरना पड़ता है। दीप नारायण शुक्ला ने

अपने प्रार्थना–पत्र में यह भी उल्लेख किया है कि इस समस्या को लेकर कई बार ग्राम प्रधान और ग्राम पंचायत सचिव से शिकायत की गई, लेकिन आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इतना ही नहीं, इससे पूर्व भी जिलाधिकारी को इसी संबंध में कई प्रार्थना–पत्र दिया गया था, लेकिन उसके बावजूद सड़क की स्थिति जस की तस बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि जिम्मेदार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की उदासीनता के कारण गांव के लोगों को बुनियादी सुविधा से वंचित रहना पड़ रहा है।ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की बदहाली के कारण एंबुलेंस, स्कूल वाहन और अन्य आवश्यक सेवाओं का गांव तक पहुंचना भी मुश्किल हो जाता है।

कई बार मरीजों और गर्भवती महिलाओं को चारपाई या निजी साधनों के सहारे मुख्य सड़क तक ले जाना पड़ता है। वहीं, किसानों को भी अपनी उपज बाजार तक पहुंचाने में अतिरिक्त समय और खर्च उठाना पड़ता है। प्रार्थी ने जिलाधिकारी से मांग की है कि मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित ग्राम प्रधान एवं अधिकारियों को तत्काल सड़क की मरम्मत कराने के निर्देश दिए जाएं, ताकि गांव के लोगों को आवागमन की सुविधा मिल सके और वर्षों पुरानी समस्या का स्थायी समाधान हो सके। अब ग्रामीणों की निगाहें जिला प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी हैं।

पीड़ित की फ्रॉड गयी 40,589/– रूपये इटियाथोक की साइबर हेल्पडेस्क टीम द्वारा कराए गए वापस

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद में साइबर फ्रॉड अपराध की रोकथाम के संबंध में त्वरित कार्यवाही करने हेतु गोन्डा एसपी विनीत जायसवाल द्वारा दिये गये निर्देशों के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी अजीत कुमार रजक के मार्गदर्शन में थाना इटियाथोक की साइबर हेल्प डेस्क की टीम द्वारा पीड़ित की फ्रॉड गयी धनराशि को सम्बंधित बैंक/इंटीमेडरी से संपर्क स्थापित करते हुए धनराशि 40,589/– पीड़ित के खाते में वापस करायी गयी।बता दें आवेदक अकबर अली पुत्र मजीद निवासी सिकली पुरवा विजय गढ़वा थाना इटियाथोक जनपद गोण्डा द्वारा थाना इटियाथोक की साइबर हेल्प डेस्क में साइबर फ्रॉड के संबंध में शिकायत दर्ज करायी गयी थी। साइबर फ्राड गिरोह द्वारा उनके क्रेडिट कार्ड के माध्यम से शापिंग की गयी है। उक्त प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए थाना इटियाथोक की

साइबर हेल्पडेस्क टीम द्वारा जनपदीय साइबर सेल टीम की सहयोग से कार्यवाही करते हुए संबंधित बैंक से ईमेल के माध्यम से विभिन्न जानकारियां एकत्रित कर नोडल अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर तत्काल कार्यवाही करते हुए सम्बंधित बैंक/इंटीमेडरी से संपर्क स्थापित करते हुए पीड़ित के 40,589/– रू0 की धनराशि वापस करायी गयी।पीड़िता द्वारा अपने रूपये वापस पाकर प्रसन्नता जाहिर करते हुए थाना तरबगंज की साइबर हेल्पडेस्क की टीम को धन्यवाद दिया गया।साइबर धोखाधड़ी होने पर तत्काल 1930 पर सूचना अंकित कराये, सूचना विलम्ब से देने पर साइबर अपराधियों द्वारा धन निकाल लिया जाता है।

धन निकलने के उपरान्त पैसे वापस होने की सम्भावना बहुत कम होती है।थाना प्रभारी इटियाथोक कमलाकांत ने लोगो को साइबर ठगों से सावधान रहने की अपील किया।किसी भी अनजान फोन कॉल पर अपनी बैंक डिटेल, ओ0टी0पी0, बायोमैट्रिक डेटा,पैन कार्ड व आधार कार्ड की डिटेल किसी के साथ साझा न करें। फ्रॉड ट्रांजेक्सन होने पर तत्काल अपने बैंक एवं थाना पर गठित साइबर सेल को सूचना दें एवं साइबर हेल्पलाइन 1930 पर तत्काल शिकायत दर्ज कराएँ।

गणित शिक्षण की गुणवत्ता सुधारने पर जोर, संदर्भदाताओं का पांच दिवसीय प्रशिक्षण जारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट), श्रावस्ती

के तत्वावधान में आयोजित पांच दिवसीय ब्लॉक स्तरीय संदर्भदाता प्रशिक्षण के तीसरे दिन गणित शिक्षण को प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने पर विशेष जोर दिया गया। प्रशिक्षण डायट के वरिष्ठ प्रवक्ता राम प्रताप सिंह के निर्देशन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रशिक्षण के दौरान संदर्भदाता के रूप में डायट प्रवक्ता गिरीश मिश्रा, ओ.पी. यादव, एसआरजी संत कुमार एवं नन्द कुमार पाठक ने प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया। वहीं लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन (एलएलएफ) की टीम ने सह–संदर्भदाता के रूप में विभिन्न गतिविधियों एवं अभ्यासों के माध्यम से प्रशिक्षण को प्रभावी बनाया। तीसरे दिन के सत्रों में प्रशिक्षण का परिचय, गणित शिक्षक संदर्शिका में किए गए नवीन परिवर्तनों, नवीन प्रिंट–समृद्ध सामग्री के प्रभावी उपयोग तथा स्वतंत्र अभ्यास के लिए कार्यपुस्तिका के प्रयोग पर विस्तार से चर्चा की गई। इसके साथ ही रिमीडियल शिक्षण, संख्या पहचान एवं स्थानीय मान की समझ जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रतिभागियों को व्यवहारिक अभ्यास कराया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों ने विभिन्न गतिविधियों में सहभागिता करते हुए गणित विषय को बच्चों के लिए सरल, रोचक एवं प्रभावी बनाने के तरीकों को समझा। प्रशिक्षकों ने शिक्षकों से नवीन शिक्षण विधियों एवं उपलब्ध संसाधनों का विद्यालय स्तर पर प्रभावी उपयोग करने का आह्वान किया। प्रतिभागियों ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त ज्ञान, तकनीकों एवं व्यवहारिक अनुभव का उपयोग परिषदीय विद्यालयों में गणित शिक्षण को और अधिक प्रभावी बनाने तथा विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता में सुधार लाने में सहायक सिद्ध होगा।

लूटकांड का हुआ खुलासा, चार बदमाश गिरतार, ₹2.10 लाख नकद, पीओएस मशीन, तमंचा व दो बाइक बरामद

दैनिक बुद्ध का संदेश

पयागपुर/बहराइच। थाना पयागपुर क्षेत्र में बैंक से रुपये निकालकर लौट रहे राहगीर से हुई लूट की वारदात का बहराइच पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर सफल खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरतार कर लिया। पुलिस ने उनके कब्जे से ₹2,10,400 नकद, एक पीओएस मशीन, एक .315 बोर तमंचा, एक जिंदा कारतूस, दो मोटरसाइकिल तथा अन्य दस्तावेज बरामद किए हैं। पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) आयुष विक्रम सिंह एवं क्षेत्राधिकारी पयागपुर हर्षिता तिवारी के पर्यवेक्षण में स्वाट/सर्विलांस टीम और थाना पयागपुर पुलिस की संयुक्त टीम ने यह सफलता हासिल की।पुलिस के अनुसार, 28 जुलाई को अयोध्या प्रसाद ने थाना पयागपुर में तहरीर देकर बताया था कि वह इंडियन बैंक की खजुही शाखा से ₹1,00,200 निकालकर मसैडी चौराहा स्थित अपनी वीसी (ग्राहक सेवा केंद्र) जा रहे थे। इसी दौरान भिंगुरी नहर पुलिया के पास बाइक सवार तीन बदमाशों ने उनका रास्ता रोक लिया और नकदी लूटकर फरार हो गए। मामले में तत्काल मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। घटना के खुलासे के लिए गठित पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों, सर्विलांस और मुखबिर की सूचना के आधार पर गुरुवार को खजुरी गांव की ओर से मसढी चौराहा आ रहे चार संदिग्धों को घेराबंदी कर दबोच लिया। पूछताछ में आरोपियों ने लूट की वारदात स्वीकार करते हुए बताया कि बैंक से रुपये निकालकर लौट रहे व्यक्ति को निशाना बनाकर उन्होंने भिंगुरी पुलिया के पास नकदी लूटी थी। पुलिस के अनुसार, आरोपी लूटी गई रकम का आपस में बंटवारा करने जा रहे थे, तभी उन्हें गिरतार कर लिया गया। गिरतार आरोपियों की पहचान मोहम्मद सहबान निवासी शिवदहा तथा सूर्यकुमार सिंह, जय सिंह और वीरेंद्र प्रताप सिंह निवासी लखाही पुतलीतारा, थाना पयागपुर के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से ₹2.10 लाख नकद, एक पीओएस मशीन, एक अवैध तमंचा, एक कारतूस, दो मोटरसाइकिल और अन्य प्रपत्र बरामद किए हैं। सभी आरोपियों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई कर उन्हें न्यायालय भेजा जा रहा है। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से 24 घंटे में लूटकांड के खुलासे को बड़ी सफलता माना जा रहा है।

मगरमच्छ रेस्क्यू को लेकर प्रशिक्षण देने हेतु वाइल्डलाइफ SOS के विशेषज्ञों की टीम आगरा बुलाई गई

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा । जनपद के नदियों के आस–पास लोगों के जाने पर मगरमच्छो के हमले को संज्ञान में लेते हुए प्रभागीय वनाधिकारी अनुराग प्रियदर्शी ने मगरमच्छो के रेस्क्यू कराने के लिए प्रशिक्षण हेतु विशेषज्ञो की टीम बुलाई है।बता दें पिछले दिनों हुए अलग अलग नदियों के पास मगरमच्छो के द्वारा हमले की बात सामने आई थी।जिसको लेकर चर्चा यह भी है कि सदर विधायक ने भी वन विभाग को संज्ञान लेकर मगरमच्छो के होने वाले क्षेत्रों में स्थलीय निरीक्षण के दौरान सावधानी बरतने का सूचना बोर्ड तथा मौके पर गस्त कराने की मांग उठाई थी।इसी सब को ध्यान में रखते हुए गोन्डा वन प्रभाग के प्रभागीय वनाधिकारी ने जानकारी दी कि वन प्रभाग अंतर्गत तरबगंज रेंज स्थित ग्राम सोनौली मोहम्मदपुर में मगरमच्छ द्वारा कारित दुर्घटनाओं के .ष्टिगत फील्ड स्टाफ को मगरमच्छ रेस्क्यू कराने का सैद्धांतिक व प्रायोगिक प्रशिक्षण देने हेतु वाइल्डलाइफ SOS के विशेषज्ञों की टीम आगरा से बुलाई गई।प्रभागीय वनाधिकारी गोन्डा अनुराग प्रियदर्शी द्वारा यह भी बताया गया कि विशेषज्ञों द्वारा दिनांक 30.07.2026 को मगरमच्छ को रेस्क्यू करने से संबंधित सैद्धांतिक प्रशिक्षण दिया गया तथा ग्राम सोनौली मोहम्मदपुर के मगरमच्छ प्रभावित क्षेत्र में जाकर रेस्क्यू की मॉक ड्रिल कर फील्ड स्टाफ को जानकारी दी गई।प्रभावित क्षेत्र में वन विभाग द्वारा मगरमच्छ को पकड़ने हेतु ट्रैप केज लगा दिया गया है तथा आस पास के जनमानस को जागरूक करने का अभियान लगातार चलाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में 23 जोड़ों ने थामा एक–दूजे का हाथ

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत गुरुवार को कटरा स्थित होटल ट्यूलिप में सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया। जिले के पांच विकासखंडों से आए कुल 23 जोड़े वैवाहिक बंधन में बंधे। इनमें 18 हिंदू जोड़ों ने वैदिक रीति–रिवाज के साथ सात फेरे लिए, जबकि पांच मुस्लिम जोड़ों का निकाहनामा की रस्म के साथ विवाह संपन्न कराया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी अन्नपूर्णा गर्ग ने पहुंचकर नवविवाहित वर–वधुओं को विवाह प्रमाण पत्र वितरित किए और उनके सुखमय एवं समृद्ध दाम्पत्य जीवन की कामना करते हुए आशीर्वाद दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि समाज से बाल विवाह और दहेज प्रथा जैसी कुरीतियों को समाप्त करने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करना होगा। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक पंडित राम फेरन पांडेय ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। उन्होंने कहा कि दहेज प्रथा जैसी सामाजिक कुरीति को समाप्त करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश के सभी जनपदों में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के माध्यम से गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के बेटियों के विवाह का आयोजन कराया जा रहा है। यह योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए सहारा बनने के साथ ही समाज में बिना दहेज विवाह को बढ़ावा देने का महत्वपूर्ण माध्यम है। समारोह में नवविवाहित जोड़ों के परिजनों और शुभचिंतकों ने नवदंपतियों को आशीर्वाद देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने सरकार की इस योजना को गरीब परिवारों के लिए उपयोगी बताते हुए खुशी जाहिर की। इस अवसर पर जिला समाज कल्याण अधिकारी अमरनाथ यतीन, खंड विकास अधिकारी उमेश कुमार, खंड विकास अधिकारी गिलौला अवधेश कुमार पांडेय, आशुतोष पांडेय, विनय कुमार पांडेय, चंद्र प्रकाश, डॉ. अरविंद कुमार, डॉ. शकुंतला मिश्रा, आशुतोष मिश्रा, रीनू तिवारी सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे।

मानव तस्करी के खिलाफ श्रावस्ती में गूंजी जागरूकता की आवाज

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती। भारत–नेपाल सीमा से सटे श्रावस्ती जिले में मानव तस्करी, बाल श्रम तथा महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध हिंसा की रोकथाम को लेकर बुधवार को जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। मानव सेवा संस्थान, गोरखपुर के सहयोग से डॉ. सर्वपल्ली राधा.ष्णन ट्रस्ट, श्रावस्ती की ओर से .ष्णली सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, गिलौला में मानव तस्करी विरोध दिवस के अवसर पर कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों ने छात्र–छात्राओं को मानव तस्करी के खतरे, उससे बचाव के उपाय और संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी दी। वक्ताओं ने कहा कि जागरूकता और सामूहिक प्रयासों के माध्यम से मानव तस्करी, बाल श्रम तथा शोषण जैसी सामाजिक बुराइयों पर प्रभावी रोक लगाई जा सकती है। कार्यक्रम में जिला विकास प्रबंधक, नाबार्ड अनुज कुमार, शिक्षाविद डॉ. अकबाल

बहादुर सिंह, जगदंबा प्रसाद मिश्रा एवं आनंद कुमार मौजूद रहे। प्रशासन की ओर से जिला प्रोबेशन विभाग के सदस्य संतोष कुमार पाठक एवं केशरी कुमार पाठक ने शासन द्वारा संचालित योजनाओं एवं बाल संरक्षण से संबंधित व्यवस्थाओं की जानकारी दी। पुलिस विभाग की ओर से उपनिरीक्षक रणविजय सिंह, उपनिरीक्षक मीना मणि त्रिपाठी, महिला आरक्षी अर्चना पांडेय, सरला अवस्थी, कंचन देवी, सोनी, अभिषेक कुमार एवं धर्मेंद्र यादव ने एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट की भूमिका, शिकायत प्रक्रिया और मानव तस्करी से संबंधित मामलों में पुलिस की कार्रवाई के बारे में जानकारी दी। वक्ताओं ने छात्र–छात्राओं को असुरक्षित प्रवासन, फर्जी नौकरी के झांसे, बाल तस्करी और शोषण के संभावित खतरों को पहचानने के तरीके बताए। साथ ही किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी संबंधित विभाग अथवा पुलिस को देने के लिए प्रेरित किया गया। अतिथियों को किया सम्मानित कार्यक्रम के समापन पर ट्रस्ट के अध्यक्ष राम जी मिश्र ने सभी अतिथियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया और कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। विद्यालय के छात्र–छात्राओं एवं अध्यापक– अध्यापिकाओं ने मानव तस्करी के खिलाफ आवाज उठाने तथा समाज में जागरूकता फैलाने की शपथ ली।

शासन के निर्देशों का शत–प्रतिशत पालन करें शिक्षक : बीएसए

दैनिक बुद्ध का संदेश

पयागपुर (बहराइच)। विकास क्षेत्र पयागपुर के परिषदीय

विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों की मासिक समीक्षा बैठक डायट सभागार में आयोजित हुई। बैठक में बीएसए आशीष कुमार सिंह ने छात्र नामांकन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, मध्यान्ह भोजन योजना और विद्यालयों में संचालित शैक्षिक गतिविधियों की समीक्षा की। उन्होंने सभी शिक्षकों को शासन के निर्देशों का शत–प्रतिशत पालन करने के निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी प्रशासनिक या शैक्षिक समस्या की सूचना तत्काल विभाग को दें, ताकि समयबद्ध समाधान कराया जा सके। खंड शिक्षा अधिकारी अनूप कुमार सिंह ने प्रधानाध्यापकों से प्रेरणा पोर्टल पर विद्यालयों का डाटा नियमित रूप से अपडेट करने का आह्वान किया। बैठक में एआरपी, डायट मेंटर, कार्यालय कर्मियों सहित विकास क्षेत्र के सभी प्रधानाध्यापक उपस्थित रहे।

समाजवादी पार्टी ने दक्ष प्रजापति की जयंती मनाई

जौनपुर। समाजवादी पार्टी द्वारा महान ऋषि महाराजा दक्ष प्रजापति जी की जयंती आज जिला कार्यालय, सदर चुंगी, अल्फस्टीनगंज में जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य की अध्यक्षता में श्रद्धा एवं सम्मान के साथ समारोहपूर्वक मनाई गई। अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष कहा कि महान ऋषि महाराजा दक्ष प्रजापति भारतीय संस्कृति, सभ्यता और सृष्टि निर्माण की महान परंपरा के प्रतीक हैं। उनका जीवन समाज में श्रम, समर्पण, सामाजिक समरसता और मानव कल्याण का संदेश देता है। समाजवादी पार्टी सदैव महापुरुषों के विचारों को जन–जन तक पहुँचाने तथा सामाजिक न्याय, समानता और भाईचारे की भावना को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध रही है। मुख्य वक्ता सुरेन्द्र प्रजापति ने महाराजा दक्ष प्रजापति के जीवन, व्यक्तित्व एवं समाज के प्रति उनके योगदान पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि उनके आदर्श आज भी समाज को एकता, श्रम, सम्मान और सामाजिक समरसता का संदेश देते हैं। मोहन प्रजापति, जिलाजीत प्रजापति, दिलीप प्रजापति, अजय प्रजापति, जनार्दन प्रजापति, मोहित प्रजापति, कैलाश प्रजापति, जिला उपाध्यक्ष हीरालाल विश्वकर्मा, महेंद्र यादव , इरशाद मंसूरी, जिला सचिव दीपक विश्वकर्मा, लाल मोहम्मद राईनी, जितेंद्र शर्मा, रवि यादव, नीतू शर्मा सहित अन्य वक्ताओं ने संबोधित किया।

अल्ट्रासाउंड जांच बंद होने से मरीज हलकान

जौनपुर। जिला अस्पताल में अल्ट्रासाउंड सेवा अचानक ठप होने से मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अस्पताल की अल्ट्रासाउंड मशीन में तकनीकी खराबी आने के कारण जांच कार्य फिलहाल बंद कर दिया गया है। अल्ट्रासाउंड न हो पाने से गर्भवती महिलाओं सहित विभिन्न रोगों से पीड़ित मरीजों को बिना जांच के वापस लौटना पड़ रहा है। कई मरीजों को मजबूरन निजी डायग्नोस्टिक केंद्रों का रुख करना पड़ रहा है, जिससे उन पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ भी पड़ रहा है।अस्पताल प्रशासन के अनुसार मशीन में आई तकनीकी खराबी को दूर कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) डॉ. संजय कन्नौजिया ने बताया कि मशीन को जल्द से जल्द ठीक कराकर अल्ट्रासाउंड सेवा पुनः शुरू कराई जाएगी, ताकि मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

स्कूल वैन खाई में पलटी, एक दर्जन बच्चे घायल

जौनपुर। सुजानगंज थाना क्षेत्र के बेलवार गांव में गुरुवार को सड़क हादसा हो गया। एस.एस. पब्लिक स्कूल की बच्चों से भरी वैन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में पलट गई। हादसे के समय वैन में करीब 18 बच्चे सवार थे। दुर्घटना में एक दर्जन से अधिक बच्चे घायल हो गए, जिनमें कई की हालत गंभीर बताई जा रही है।हादसे में 5 वर्षीय छात्र अभी यादव गंभीर रूप से घायल हो गया। उसकी नाजुक स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद प्रयागराज रेफर कर दिया गया। थाना प्रभारी अमित कुमार पाण्डेय स्वयं सरकारी वाहन से बच्चे को बेहतर इलाज के लिए लेकर रवाना हुए। दुर्घटना में स्कूल की शिक्षिका संध्या यादव और छात्रा श्रेजा यादव भी गंभीर रूप से घायल हुई हैं। दोनों को जिला अस्पताल रेफर किया गया है, जहां उनका उपचार जारी है।हादसे के तुरंत बाद आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने वैन के शीशे तोड़कर अंदर फंसे बच्चों को बाहर निकाला और पुलिस व एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

आईटीआई में प्रवेश हेतु चार अगस्त तक करें आवेदन

फतेहपुर। जनपद के युवाओं के लिए औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में प्रवेश का सुनहरा अवसर है। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के प्रधानाचार्य ने बताया कि प्रशिक्षण सत्र 2026 के लिए राजकीय एवं निजी आईटीआई में संचालित विभिन्न व्यवसायों तथा टाटा टेक्नोलॉजी के सहयोग से प्रदेश के 211 राजकीय आईटीआई में संचालित 10 दीर्घकालीन व्यवसायों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया जारी है। उन्होंने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी 4 अगस्त तक वेबसाइट पर जाकर अपना पंजीकरण एवं ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन पत्र में किसी प्रकार की त्रुटि होने पर अभ्यर्थियों को संशोधन के लिए 48 घंटे (दो दिन) का अतिरिक्त समय भी दिया जाएगा। प्रधानाचार्य ने बताया कि ऑनलाइन आवेदन से संबंधित विस्तृत विवरण, दिशा–निर्देश एवं ई–फॉर्म वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। अभ्यर्थी आवश्यकतानुसार विवरणी डाउनलोड या प्रिंट भी कर सकते हैं। प्रवेश पंजीकरण शुल्क सामान्य एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए 300 रुपये, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के लिए 250 रुपये, जबकि सभी महिला अभ्यर्थियों के लिए मात्र 100 रुपये निर्धारित किया गया है। प्रधानाचार्य ने युवाओं से समय रहते ऑनलाइन आवेदन करने की अपील की है, ताकि अंतिम समय की परेशानी से बचा जा सके।

अनियंत्रित बाइक से गिरकर चालक घायल

खागा, फतेहपुर। सुल्तानपुर घोष थाना क्षेत्र के उमरपुर गौती (काजीपुर) गांव के मोड़ पर एक तेज बाइक चालक अनियंत्रित होकर गिरकर घायल हो गए। राहगीरों ने अस्पताल पहुंचाया। जानकारी के अनुसार सुजरही खागा से दो युवक रामू,और श्याम अपने ससुराल सलेमपुर (मंडवा) गांव जा रहे थे, तभी प्रेमनगर कस्बा के आगे उमरपुर गौती (काजीपुर) गांव के खतरनाक मोड़ के पास बाइक अनियंत्रित होकर पटरी किनारे लगे पत्थर में बाइक टकरा गयी और चालक गंभीर रुप से घायल हो गया। मौके पर राहगीरों ने पटरी से निकालकर नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। हालत स्थिर बताई जा रही है।

आषाढी पर्व पर आम खरीददारों की भीड़ से नवीन मंडी में लगा जाम

खागा, फतेहपुर। गुरु पूर्णिमा पर्व के चलते नवीन मंडी स्थल में आम खरीदने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। आसपास के ग्रामीण और कस्बाई क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग आम खरीदने मंडी पहुंचे। खरीददारों की भीड़ और वाहनों की अधिक आवाजाही के कारण मंडी परिसर और आसपास के मार्ग पर जाम की स्थिति बनी रही। काफी देर तक लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। जाम की सूचना मिलने पर 112 पुलिस मौके पर पहुंची और यातायात व्यवस्था संभालने का प्रयास किया। पुलिस की मौजूदगी के बाद वाहनों को व्यवस्थित तरीके से निकाला गया, जिसके बाद किसी तरह रास्ता खुल सका और लोगों को राहत मिली।

थाना पिपरी पुलिस द्वारा चोरी के मुकदमे में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार,

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा' द्वारा चोरी की

घटना का सफल अनावरण करने एवं घटना में संलिप्त वांछित अभियुक्तों की गिरतारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार' एवं क्षेत्राधिकारी पिपरी 'श्री हर्ष पाण्डेय' के कुशल निर्देशन तथा थानाध्यक्ष पिपरी के नेतृत्व में थाना पिपरी पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। 30.07.2026 को उ0नि0 जितेन्द्र सरोज, चौकी प्रभारी रेनुकूट, थाना पिपरी मय हमराह पुलिस बल के क्षेत्र में रोकथाम जुर्म–जरायम एवं वांछित अभियुक्तों की गिरतारी हेतु मामूर थे। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर 'मु0अ0सं0 139/2026 धारा 305(), 331(4), 317(2) बीएनएस' से संबंधित वांछित अभियुक्त अयोध्या प्रसाद पुत्र स्व0 दल्लू प्रसाद, निवासी सुपाचुआ, थाना म्योरपुर, जनपद सोनभद्र, उम्र करीब 39 वर्ष को दिनांक 30.07.2026 को समय करीब 09रू35 बजे मुर्धवा–रनटोला के मध्य पुलिया के पास से गिरतार किया गया। गिरतार अभियुक्त के कब्जे से 05 अदद जीन्स, 03 अदद टी–शर्ट, 02 अदद शर्ट, 01 अदद फ्रॉक, 01 अदद लावा कम्पनी का की–पैड मोबाइल फोन एवं घ1,250/– नगद बरामद किया गया। बरामद माल की अनुमानित कीमत लगभग घ20,000/– है।

बरामदगी के आधार पर मुकदमे में नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्रवाई की गई। गिरतार अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

काशी से श्रावस्ती पहुंची संत शिरोमणि गुरु रविदास की 'कलश वंदन यात्रा'

समरसता, समानता और सामाजिक सद्भाव का संदेश लेकर पहुंची यात्रा का कटरा में हुआ भव्य स्वागत

श्रावस्ती। संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास जी महाराज की 650वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में काशी से निकली 'कलश वंदन यात्रा' गुरुवार को श्रावस्ती पहुंची। कटरा स्थित राम बिहारी बुद्ध इंटर कॉलेज में यात्रा का श्रद्धापूर्वक स्वागत किया गया तथा कलश ग्रहण कर संत रविदास जी के आदर्शों को नमन किया गया। कार्यक्रम में गुरु रविदास जी के समरसता, समानता, सामाजिक सद्भाव और मानवता के संदेश को जन–जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया। वक्ताओं ने कहा कि संत रविदास जी ने समाज में ऊंच–नीच और भेदभाव को समाप्त कर समानता एवं भाईचारे की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया। उनके विचार आज भी सामाजिक एकता और सद्भाव के लिए प्रासंगिक हैं। इस अवसर पर श्रावस्ती विधायक राम फेरन पांडे व भारतीय जनता पार्टी श्रावस्ती के जिलाध्यक्ष मिश्रीलाल वर्मा सहित पार्टी के पदाधिकारीगण एवं कार्यकर्ताओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी ने कलश वंदन यात्रा का श्रद्धा एवं उत्साह के साथ स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान संत रविदास जी के विचारों और उनके सामाजिक योगदान पर चर्चा की गई। उपस्थित लोगों ने उनके बताए मार्ग पर चलने तथा समाज में समानता, समरसता, भाईचारा और मानवता की भावना को मजबूत करने का संकल्प लिया। आयोजकों ने कहा कि गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती वर्ष के अवसर पर आयोजित यह यात्रा समाज को एकजुट करने और उनके संदेश को व्यापक स्तर पर पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

एबीसी सेंटर हेतु भूमि चिन्हांकन में तेजी, जनोपयोगी कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश

मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना एवं 15वें वित्त आयोग के प्रस्तावों की जिलाधिकारी ने की समीक्षा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना एवं वंदन योजना के सम्बन्ध में जनपद के समस्त नगरीय निकायों के अधिशासी अधिकारियों एवं मुख्य पशु चिकित्साधिकारी के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में शासन के निर्देशानुसार एबीसी (एनिमल बर्थ कंट्रोल) सेंटर की स्थापना के लिए उपयुक्त भूमि के चिन्हांकन पर विस्तार से विचार–विमर्श किया गया तथा आवश्यक कार्यवाही शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। बैठक में मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना एवं 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत नगरीय निकायों द्वारा प्रस्तुत

प्रस्तावों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में वन्दन योजना के अन्तर्गत चुर्क नगर पंचायत में शीतला माता मन्दिर पर अवस्थापना सुविधायें एवं सौन्दर्यीकरण कराने हेतु प्रस्ताव शासन को प्रेषित किये जाने हेतु जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिशासी अधिकारी को निर्देशित किये। जिलाधिकारी ने प्रस्तुत प्रस्तावों का परीक्षण करते हुए उपयुक्त एवं जनहितकारी कार्यों को स्वीकृति प्रदान की तथा जो प्रस्ताव योजना की गाइडलाइन के अनुरूप नहीं पाए गए, उनके स्थान पर नियमों के अनुरूप अन्य जनोपयोगी कार्यों के प्रस्ताव दो दिवस के भीतर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि योजनाओं के अंतर्गत ऐसे कार्यों को प्राथमिकता दी जाए, जिनसे नगरों की उपयोगिता, स्वच्छता, आधारभूत सुविधाओं तथा सौंदर्यीकरण में प्रभावी वृद्धि हो और आमजन को प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त हो। उन्होंने कहा कि शासन की प्रत्येक योजना का क्रियान्वयन गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता के साथ सुनिश्चित किया जाए। बैठक में अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 वागीश कुमार शुक्ला, नगर निकाय के सभी अधिशासी अधिकारी एवं संबंधित अवर अभियंता उपस्थित रहे।

थाना शक्तिनगर साइबर टीम ने साइबर फ्रॉड की घ13,000/– धनराशि पीड़ित के खाते में कराई वापस

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। साइबर अपराधों की रोकथाम एवं साइबर अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में पुलिस अधीक्षक ' अभिषेक वर्मा' के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) ' अनिल कुमार' के दिशा–निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी पिपरी ' हर्ष पाण्डेय' के कुशल पर्यवेक्षण में थाना शक्तिनगर साइबर क्राइम टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए साइबर फ्रॉड की धनराशि पीड़ित के खाते में वापस कराई गई। आवेदक 'राजेश गुप्ता निवासी चिल्काटांड, थाना शक्तिनगर, जनपद सोनभद्र' के साथ किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा साइबर फ्रॉड कर धनराशि स्थानांतरित करा ली गई थी। घटना की सूचना प्राप्त होने पर थाना शक्तिनगर साइबर टीम द्वारा तत्काल बैंक से पत्राचार कर फ्रॉड की गई धनराशि को होल्ड कराया गया तथा 'डल्ड पोर्टल' के माध्यम से कुल 'घ13,000/– (तेरह हजार रुपये)' की धनराशि आवेदक के मूल बैंक खाते में सफलतापूर्वक वापस कराई गई। धनराशि वापस मिलने पर आवेदक द्वारा पुलिस अधीक्षक सोनभद्र, अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) सोनभद्र एवं थाना शक्तिनगर साइबर टीम के अधिकारी/कर्मचारियों की प्रशंसा करते हुए आभार व्यक्त किया गया।

बरामदे में सो रहे युवक को सांप ने डसा, इलाज से पहले मौत

19 वर्षीय पंकज सोनी की दर्दनाक मौत से परिवार में मचा कोहराम, क्षेत्र में शोक की लहर

दैनिक बुद्ध का संदेश

विशेश्वरगंज (बहराइच)। बरसात के मौसम में सर्पदंश की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। गुरुवार तड़के पुरैना मोड़ क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसे में घर के बरामदे में सो रहे 19 वर्षीय युवक की सांप के डसने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, पंकज सोनी रात में अपने घर के बरामदे में सो रहा था। इसी दौरान किसी विषैले सांप ने उसे डस लिया। कुछ देर बाद उसकी तबीयत बिगड़ने लगी तो परिजन आनन–फानन में उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र विशेश्वरगंज ले गए। जहां

चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। बताया जाता है कि पंकज रिक्शा चलाकर परिवार का भरण–पोषण करने में अपनी मां का सहारा था। उसके पिता चंडीगढ़ में मजदूरी करते हैं, जबकि बड़ा भाई जम्मू में नौकरी करता है। जवान बेटे की असमय मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। घटना के बाद पूरे गांव और आसपास के क्षेत्र में शोक का माहौल है। विशेषज्ञों के अनुसार, वर्षा ऋतु में सांपों के घरों और आबादी वाले क्षेत्रों में आने की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे में घर के आसपास साफ–सफाई रखें, रात में जमीन पर सोने से बचें तथा सर्पदंश की स्थिति में झाड़–फूंक के बजाय तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचकर उपचार कराएं।

बीजपुर से कांवरियों का पहला जत्था देवघर के लिए रवाना

दैनिक बुद्ध का संदेश

बीजपुर(सोनभद्र) । स्थानीय कावरियों का पहला जत्था सावन

के प्रथम दिन गुरुवार बाबा बैद्यनाथ देवघर झारखंड के लिए स्थानीय बेड़िया हनुमान मंदिर , दूधईया देवी के मंदिर में मत्था टेककर जलाभिषेक करने के लिए रवाना हुए । कई वर्षों से कावड़ यात्रा कर रहे कावरिया बम सुल्तानगंज से बाबा वैद्यनाथ धाम 115 किलोमीटर पैदल यात्रा कर बाबा बैद्यनाथ एवं बाबा बासुकीनाथ को श्रद्धालु भक्त जलाभिषेक कर अपनी मन्नत पूरी होने की कामना करते हैं। बताते हैं कि जो भी भक्त श्रवण मास की पवित्र महीने में श्रद्धा ,भक्ति के साथ कावड़ यात्रा सुल्तानगंज के उत्तर वाहिनी गंगा का जल भरण कर बाबा बैद्यनाथ और बाबा बासुकीनाथ को जिलाभिषेक करता है तो निश्चित ही भक्तो की सभी मनोकामनाएं बाबा भोलेनाथ पूरी करते हैं। बाबा बैद्यनाथ धाम देवघर झारखंड में पूरे देश के कोने–कोने से श्रद्धालु भक्त श्रावण मास में आते हैं जो कावड़ यात्रा कर जलाभिषेक बाबा बैद्यनाथ को करते हैं कांवड़ यात्रा के दौरान सुल्तानगंज से बाबा धाम देवघर तक बोल बम, बोल बम के जयकारों से समूचे इलाके का माहौल भक्तिमय हो जाता है । रविन्द्र पांडेय,धनंजय शर्मा ,संजीत सोनी,विनय गुप्ता,यशपाल,अरविंद, नंद किशोर कांवरियो का जत्था बाबा धाम को जलाभिषेक करने के लिए रवाना हुए।

दुष्कर्म के मामले में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

इकौना पुलिस ने आरोपी को उसके घर से दबोचा, न्यायालय के समक्ष पेश करने के लिए भेजा

दैनिक बुद्ध का संदेश

इकौना, श्रावस्ती। महिला संबंधी अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत इकौना पुलिस ने दुष्कर्म के मामले में वांछित एक नामजद अभियुक्त को गिरतार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए रवाना किया। पुलिस के अनुसार, पीड़िता की ओर से दी गई तहरीर के आधार पर थाना इकौना में 29 जुलाई 2026 को मुकदमा अपराध संख्या 146/2026, धारा 64(1), 351(3) बीएनएस के तहत नामजद अभियुक्त अलादीन उर्फ अल्लादीन पुत्र स्व. इलियास, निवासी बैदौरा दाखिला टंडवा महंत, थाना इकौना, जनपद श्रावस्ती के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया था। मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस ने विवेचना एवं साक्ष्य संकलन के साथ अभियुक्त की तलाश शुरू की। इसी क्रम में 30 जुलाई 2026 को थाना इकौना पुलिस टीम ने आरोपी को उसके घर बैदौरा दाखिला टंडवा महंत से गिरतार कर लिया। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक चन्द्रकेश सिंह एवं क्षेत्राधिकारी इकौना आलोक कुमार सिंह के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक इकौना परमानन्द तिवारी के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा की गई। पुलिस ने गिरतार अभियुक्त के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी कर उसे न्यायालय के समक्ष पेश करने के लिए रवाना किया।

पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक– राजेश कुमार शर्मा
71, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917,9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
माचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

क्यों है भगवान शिव का प्रिय महीना श्रावण? समुद्र मंथन से जुड़ी कथा और कावड़ का महत्व

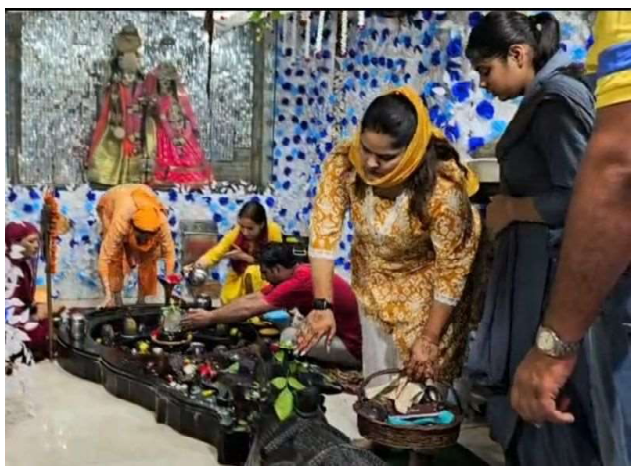

श्रावण मास आरंभ हो गया है।शिव पुराण के अनुसार समुद्र मंथन के समय निकला विष पीने से भगवान शिव का कंठ नीला पड़ा और उनका पूरा शरीर गर्म हो गया था। देवताओं ने उन्हें ठंडा रखने के लिए लगातार जल अर्पित किया। तभी से माना जाता है कि जल चढ़ाने से शिव जी का क्रोध शांत होता है और वो जल्दी प्रसन्न होते हैं।

मान्यता है कि श्रावण में ही माता पार्वती ने शिव को पाने के लिए कठोर तप किया था। इस महीने में की गई पूजा का फल 100 गुना मिलता है। इसीलिए इसे शिव का प्रिय मास कहा जाता है। शिवलिंग पर जल चढ़ाने से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और पापों का नाश होता है। धार्मिक मान्यता है कि श्रावण के सोमवार को जल, बेलपत्र व दूध चढ़ाने से मनोकामना पूरी होती है। कुंवारी लड़कियां अच्छे वर के लिए और विवाहित लोग सुखी दांपत्य के लिए ये व्रत करते हैं।

यमुनानगर के सरोजिनी कालोनी स्थित दयालु जी मंदिर में सुबह 4:00 बजे से ही श्रद्धालुओं का आना शुरू हो चुका है। श्रद्धालु विधिवत रूप से शिव की पूजा अर्चना करके शिवलिंग पर जल अभिषेक कर रहे हैं। श्रद्धालुओं का मानना है कि शिव सबसे जल्दी प्रसन्न होते हैं, उनकी पूजा अर्चना करने से सभी संकट दूर होते हैं सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

मंदिर के पुजारी पंडित केशव शर्मा ने श्रावण मास के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा की श्रद्धालु आज से अपने–अपने स्थान से गंगोत्री, गोमुख, हरिद्वार ,ऋषिकेश जाकर जल लाते हैं जो 11 अगस्त को शिवरात्रि पर शिवलिंग पर चढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस माह के दौरान कावड़ लाने का विशेष महत्व है। हालांकि यह प्रथा रावण ने सबसे पहले शुरू की थी और उसके बाद से श्रद्धालु साधनों को छोड़कर पैदल जाकर शरीर को कष्ट देकर जल लाते हैं और शिवरात्रि पर जल अभिषेक करते हैं, इसका विशेष महत्व भी बताया गया है।

पंडित केशव शर्मा का कहना है कि प्राचीन समय में इस माह में यात्रा करने पर निषेध था। क्योंकि इस दौरान मानसून होता है, अत्यधिक वर्षा होती है, नदी नाले उफान पर आ जाते हैं, जिसके चलते श्रद्धालुओं को दिक्कत आ सकती है, लेकिन अब समय बदल चुका है ।नदियों नहरों पर पुलों का निर्माण हो चुका है, आने–जाने के रास्ते सुगम हो गए हैं, इसलिए इस विशेष मास में लोग साधन होते हुए भी अपने शरीर को कष्ट देते हुए पैदल, दंडवत करते हुए कावड़ लाते हैं। शिव भोले इससे बहुत प्रसन्न होते हैं और जल्दी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। मंदिर के पुजारी पंडित संपूर्णानंद ने कहा कि भगवान शिव सबसे जल्दी प्रसन्न होते हैं, उनकी पूजा अर्चना करने से मानसिक आत्मिक शांति मिलती है।

भगवान शिव का कंठ क्यों हुआ नीला? जानिए जलाभिषेक की परंपरा के पीछे की रोचक पौराणिक कथा

श्रावण मास शुरू होते ही देशभर के शिव मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ने लगती है। इस पूरे महीने भगवान शिव का जलाभिषेक, रुद्राभिषेक और विशेष पूजा का बड़ा धार्मिक महत्व माना जाता है। मान्यता है कि सावन में सच्चे मन से की गई शिव आराधना से जीवन की परेशानियां दूर होती हैं और मनोकामनाएं पूरी होती हैं, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि भगवान शिव पर जल चढ़ाने की परंपरा आखिर शुरू कैसे हुई?

समुद्र मंथन से जुड़ी है जलाभिषेक की कथा

शिव पुराण के अनुसार, जब देवताओं और दैत्यों ने समुद्र मंथन किया तो सबसे पहले कालकूट नाम का विष निकला। यह विष इतना घातक था कि पूरी सृष्टि के विनाश का खतरा पैदा हो गया। तब भगवान शिव ने संसार की रक्षा के लिए उस विष को अपने कंठ में धारण कर लिया। विष के प्रभाव से उनका कंठ नीला पड़ गया और वे श्नीलकंठश कहलाए। शरीर की गर्मी शांत करने के लिए चढ़ाया गया जलः पौराणिक मान्यता के अनुसार, विष का असर इतना तीव्र था कि भगवान शिव का शरीर अत्यधिक गर्म हो गया। तब सभी देवी–देवताओं ने उनके ऊपर लगातार गंगाजल और शीतल जल अर्पित किया, जिससे उन्हें राहत मिली। तभी से शिवलिंग पर जल चढ़ाने की परंपरा शुरू हुई। माना जाता है कि जलाभिषेक करने से भगवान शिव शीघ्र प्रसन्न होते हैं और भक्तों पर अपनी कृपा बरसाते हैं।

माता पार्वती के तप से भी जुड़ा है सावन

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, माता पार्वती ने भगवान शिव को पति के रूप में पाने के लिए श्रावण मास में कठोर तपस्या की थी। उनकी भक्ति और समर्पण से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें स्वीकार किया। इसी कारण सावन का महीना शिव और शक्ति के मिलन का प्रतीक भी माना जाता है।

सावन में पूजा का मिलता है विशेष फलः मान्यता है कि श्रावण मास में किए गए जप, तप, दान, व्रत और जलाभिषेक का कई गुना अधिक पुण्य मिलता है। यही वजह है कि इस महीने लाखों श्रद्धालु कांवड़ यात्रा करते हैं, पवित्र नदियों से जल लाकर शिवलिंग का अभिषेक करते हैं और सावन सोमवार का व्रत रखते हैं।

कितने प्रासंगिक है प्रेमचंद आज भी

प्रारम्भिक जीवन, शिक्षा और नौकरी: 31 जुलाई 1880 आध्यात्मिक नगरी बनारस में जन्में धनपत राय श्रीवास्तव ही उपन्यास सम्राट प्रेमचंद के नाम से पूरी दुनिया में जाने जाते हैं। उनके पिता मुंशी अजायब राय तथा माँ आनन्दी देवी थीं। प्रेमचंद के पिता डाकघर में कार्यरत थे। बचपन में उनकी माँ इन्हें गुलाब राय के नाम से पुकारती थीं। प्रेमचंद की आरम्भिक शिक्षा फारसी में हुई थी। उनका अधिकांश लेखन उर्दू में है। उनका बचपन बहुत कठिनाइयों में बीता। डॉ0 रामबिलास शर्मा उनके बचपन पर लिखते हैं, ''सौतेली माँ का व्यवहार, बचपन में शादी, पण्डे–पुरोहित का कर्मकाण्ड, किसानों और क्लर्कों का दुःखी जीवन यह सब प्रेमचंद ने सोलह साल की उम्र में ही देख लिया था। इसीलिए उनके ये अनुभव एक जबरदस्त सच्चाई लिए हुए उनके कथा साहित्य में झलक उठे। प्रेमचंद को बचपन से ही पढ़ने–लिखने में रुचि थी। कहते हैं तेरह वर्ष की कम उम्र में ही उन्होंने 'तिलिस्म–ए–होशरुबा' पढ़ लिया था। कम उम्र में ही उर्दू के मशहूर रचनाकार 'शरसार मिर्ज़ा हादी रुस्वा' को भी वे पढ़ चुके थे।

वैवाहिक जीवन

प्रेमचंद का पहला विवाह पन्द्रह वर्ष की उम्र में हो चुका था। उनका दूसरा विवाह शिवरानी देवी से हुआ था जो बाल विधवा थी। शिवरानी देवी अत्यन्त पढ़ी–लिखी सुशिक्षित महिला थीं। शिवरानी देवी ने कुछ कहानियाँ भी लिखी थीं। ''प्रेमचंद घर में'' शीर्षक से उनकी एक पुस्तक भी प्रकाशित हो चुकी थी। उनकी तीन सन्तानें हुईं श्रीपत राय, अमृत राय और कमला देवी। पढ़ाई के साथ ही उन्होंने एक स्थानीय विद्यालय में शिक्षक के रूप में कार्य किया। 1991 में स्नातक के बाद उन्होंने शिक्षा विभाग में इंस्पेक्टर के पद पर भी कार्य किया। 1919 में स्वाधीनता संग्राम के दौरान महात्मा गांधी के सरकारी नौकरी छोड़ने के आह्वान पर उन्होंने सरकारी नौकरी से त्याग

पत्र दे दिया। इसके बाद स्वाध्याय और लेखन ही उनका व्यवसाय बन गया। इसी समय में उन्होंने कुछ प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में सम्पादक पद पर कार्य किया। इसी दौरान उन्होंने सरस्वती प्रेस भी खरीदा तथा 'हँस' और 'जागरण' का प्रकाशन शुरू किया। प्रेस का व्यवसाय वो नहीं कर सके, उसके बाद उन्होंने मोहनलाल भवनानी की कम्पनी 'सिनेटोन' में एक कहानी लेखन के रूप काम करना शुरू कर दिया। बम्बई भी उन्हें पसंद नहीं आया और एक वर्ष का अनुबन्ध पूरा किये बिना ही वे वापस बनारस लौट आए। उनका स्वास्थ्य खराब रहने लगा। लंबी बीमारी के बाद 8 अक्टूबर 1936 को उन्होंने यह संसार छोड़ दिया।

साहित्यिक यात्राः आधुनिक हिन्दी साहित्य में प्रेमचंद एक अत्यन्त प्रभावशाली लेखक रहे हैं। जिन्होंने कहानी, उपन्यास नाटक लिखकर अपनी प्रतिभा को साबित किया था। प्रेमचंद शुरुआती दिनों में मूल रूप से एक निर्भीक पत्रकार और संपादक रहे हैं। उन्होंने 'हँस', 'जागरण', 'मर्यादा' आदि पत्र–पत्रिकाओं में अपने सम्पादन के माध्यम से राजनीतिक, सामाजिक और साहित्यिक चेतना को जगाने का काम किया। उनकी लेखनी का असली जादू हमें उनकी कहानियों में देखने को मिलता है। 'ईदगाह', 'कफन', 'पूस की एक रात' उनकी कहानियाँ सामाजिक कुरीतियों पर सीधा प्रहार करती हैं। उनका साहित्य पाठक का मनोरंजन तो करना ही है साथ ही समाज में फैले भ्रष्टाचार, शोषण के विरुद्ध आवाज भी उठाता है। सामाजिक बुराइयों और कुरीतियों पर करारी चोट करती उनकी ये कहानियाँ आज भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने 300 के लगभग कहानियाँ लिखीं जो मानसरोवर के आठ खण्डों में संकलित हैं। उन्होंने अपनी कहानियों में सामाजिक यथार्थ का सजीव चित्रण करते हुए समाज के विभिन्न वर्गों की ज्वलन्त समस्याओं से अपने पाठकों को रूबरू कराया है। प्रेमचंद की कहानियों ने साहित्य को एक नई दिशा देने का काम किया है। प्रेमचंद साहित्य को मानवीय संस्कार का प्रभावशाली, सशक्त एवं प्रेरणादायक माध्यम मानते हैं। प्रेमचंद का जीवन संघर्षों और कष्टों में व्यतीत हुआ था इसीलिए उन्होंने जनमानस को समझा उनके दुःखों को महसूस किया और पूरी ईमानदारी से अपनी कहानियों में अभिव्यक्त कियां यही वजह थी कि उनकी लिखी कहानियां अत्यंत लोकप्रिय हुईं। प्रेमचंद के साहित्य का मात्र समाज शास्त्रीय महत्व ही नहीं है बल्कि वे भाषा और कथा की कलात्मकता से भी भरपूर हैं। प्रेमचंद से पहले और प्रेमचंद के बाद के बहुत से लेखकों ने किसानों पर लिखा लेकिन प्रेमचंद आज भी उन सबसे बहुत अलग और ऊँचे दिखाई देते हैं। 1936 में लिखा गया उनका सुप्रसिद्ध उपन्यास 'गोदान' भारतीय किसान के जीवन का महाकाव्य है, जिसमें प्रमुख पात्र 'होरी', 'धनिया', 'गोबर' के माध्यम से उन्होंने ग्रामवासियों के शोषण, गरीबी और संघर्ष का सजीव चित्रण किया है। एक किसान की गाय पाने और उसका दान करने की इच्छा को मार्मिक ढंग से लिखा है। ऐसा लगता है कि वे हर व्यक्ति के भीतर बैठकर उसकी गतिविधियों और मानसिक उथल–पुथल का गहन अध्ययन करते चलते हैं। जो गाय होरी उधार खरीदता है उसका भाई उसको जहर दे देता है और गाय की मृत्यु से होरी कर्ज के दलदल में फंसता चला जाता है। उसका बेटा अपनी गर्भवती पत्नी को छोड़कर शहर भाग जाता है। अन्ततः काम करते–करते उसकी अभावग्रस्त होकर मृत्यु हो जाती है और अन्त में गोदान के नाम पर उसकी पत्नी धनिया केवल बीस आना पति के शव के पास रख देती हैं।

सामाजिक चेतना को जाग्रत करती कहानियाँ: उनकी कालजयी कहानियाँ आज भी लेखकों का मार्गदर्शन करती हैं। प्रेमचंद ने अपनी कहानियों में तत्कालीन समय की सभी सामाजिक समस्याओं पर लिखा। बाल विवाह, बेमेल विवाह, नारी शोषण, कृषक व दलित वर्ग की चिन्ताओं का जीवन्त चित्रण उनकी कहानियों में सर्वत्र बिखरा हुआ नजर आता है। प्रेमचंद की कहानियां एक ऐसी धरोहर हैं जो आज भी भारतीय समाज में व्याप्त समस्याओं को सुलझाने में हमारा मार्ग प्रशस्त करती हैं। उनकी कहानियां मनुष्य को अपने दायित्व का बोध कराने अपने ज्ञान को शक्ति बनाकर अपने कर्तव्य पथ पर डटे रहने की प्रेरणा देती हैं।

देशभक्ति की कहानियाँ

प्रेमचंद एक सच्चे देशभक्त थे। उन्होंने अपनी कहानियों में देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर देने वालों का सजीव चित्रण किया है। वे देश सेवा को मानव मात्र का पावन कर्तव्य मानते थे। उन्होंने अपनी लेखनी के बल पर मर मिटने की भावना जगाने का कार्य किया था। यही कारण था कि उनकी मात्र पाँच कहानियों का संग्रह 'सोज़े वतन' ब्रिटिश सरकार में ज़ब्त हुआ। इसकी सभी कहानियाँ देश प्रेम की भावना से ओतप्रोत हैं, जिन्हें पढ़कर उनके प्रति आदर का भाव और बढ़ जाता है।

प्रकृति से प्रेम करना सिखाती हैं उनकी कहानियाँ: प्रेमचंद ने अपनी कहानियों में प्रकृति और मनुष्य के अटूट सम्बन्धों को भी स्पष्ट किया है। जो आज भी उतना ही प्रासंगिक हैं। 'जुगनू की चमक', 'घर जमाई उनकी ऐसी कहानियाँ हैं जिनमें प्रकृति चित्रण देखते ही बनता है। एक जगह वे कहते हैं, ''कहीं ऊँचे–ऊँचे साखू और महुए के जंगल थे और कहीं हरे–भरे जामुन के वन। उनकी गोद में हाथियों और हिरणों के झुंड किलोलें कर रहे थे। धान की क्यारियाँ पानी से भरी हुई थीं। किसानों की स्त्रियां धान को रोपती थीं और सुहावने गीत गाती थीं।''

प्रेमचंद्र की भाषा शैली: मुंशी प्रेमचंद की भाषा अत्यंत सहज, सरल और व्यावहारिक है जो आम बोलचाल पर आधारित है।

(महासमर की महागाथा–26)

अच्छी और बुरी प्रवृत्ति का संघर्ष

आज से लगभग पांच हजार वर्ष पहले कुरुक्षेत्र (मौजूदा समय में हरियाणा) के मैदान में न्याय और अन्याय के बीच एक धर्मयुद्ध हुआ था। इस युद्ध के प्रारम्भ होने से पहले भगवान कृष्ण ने अपने परमप्रिय सखा अर्जुन को जीवन का मर्म समझाया। वही अमृत–कलश श्रीमद् भगवद् गीता के नाम से जाना जाता है। यह अथाह ज्ञान का सागर है जिसमें लोग गोते लगाकर मोती खोजते रहते हैं। भाई परमानंद जी ने अंडमान जेल में ब्रिटिश हुकूमत के दौरान कारावास को झेलते हुए 'मेरा अंतिम आश्रय : श्रीमद् भगवद् गीता' की रचना की थी। –प्रधान सम्पादक

यूरोप में यह संघर्ष खास ढंग पर चलता है। पहले–पहल समाज पर चर्च का प्रभुत्व था। यहाँ तक कि बादशाह भी पोप और उसके पादरियों से काँपते थे। सुधार के आंदोलन के पश्चात् सारा अधिकार चर्च के हाथ से निकलकर बादशाहों और उनके सरदारों के हाथों में चला गया। तत्पश्चात् फ्रांस की क्रांति ने एक और परिवर्तन उत्पन्न कर दिया, जिससे यह शक्ति जनसाधारण के हाथों में चली गई। तब यूरोप में बादशाही का कोई महत्त्व नहीं रहा। गत अर्ध शताब्दी में मजदूर लोग, जो यूरोप के शूद्र समझे जाने चाहिए, जाग उठे। यूरोप का भावी संघर्ष इन्हीं लोगों का होगा। उनका भविष्य स्पष्टतया उज्ज्वल दिखलाई देता है।

मानव–जगत् में इस संघर्ष का उल्लेख करते हुए भगवद्गीता के अध्याय सोलह में इसे दैवी और आसुरी प्र.तियों के मध्य द्वंद्व का रूप प्रकट किया गया है। इन दोनों प्र.तियों का संग्राम सदा चलता रहता है। श्लोक 9 में बताया गया है– आसुरी प्र.ति के लोग मनुष्य जाति के शत्रु होते हैं। उनकी अपवित्रता, चालाकी और दंभ संसार में विनाश लाते हैं। दैवी प्रकृति वाले संसार का भला करते हैं। निर्भयता, शौच, सत्य आदि उनके गुण होते हैं। पशु–जगत् में तो यह मामला बिलकुल ही साफ है। भेड़ और भेड़िये से पूछिए, कौन सी बात अच्छी है– निर्बल की रक्षा करना या उसे खा जाना ? भेड़ तो यह कहेगी, निर्बल की रक्षा करना धर्म है। किंतु भेड़िया इसके ठीक उलटा कहेगा। मनुष्य की अवस्था में दोनों परस्पर विरोधी प्रकृतियाँ हैं। मनुष्य भी प्रायः दो प्रकार के हैं। कुछ ऐसे हैं, जो बीज के समान अपने आपको विनष्ट करके बड़े फलदार वृक्ष पैदा करते हैं। बहुत से ऐसे हैं, जो दूसरों का नुकसान करके खुश होते हैं। इन दोनों प्र.तियों का संघर्ष संसार में सदा जारी रहता है। मनुष्य के अंदर भी हर समय दोनों प्रकार के भावों का द्वंद्व युद्ध होता रहता है। जीत कभी देव–भाव की तो कभी आसुर–भाव की होती है। क्षण–क्षण की इस जीत या हार के अनुसार मनुष्य ऊपर उठता या नीचे गिरता है।

पुराणों के अंदर रूपक के तौर पर देवताओं और दैत्यों के बीच युद्ध का उल्लेख अकसर पाया जाता है। उपनिषद् में देवताओं का अर्थ इंद्रियाँ और असुर का अर्थ विषय किया गया है। ये प्रतिक्षण आपस में लड़ाई करते हैं। यदि और आगे देखा जाय तो मालूम होता है कि संसार में दैवी और आसुरी गुणों का युद्ध हमेशा ही चलता रहता है। एक लड़की जब लाखों रुपयों पर लात मारकर अपनी पवित्रता की रक्षा करती है तब उसमें दैवी गुण की विजय होती है। यदि वह अपनी पवित्रता की रक्षा में प्राण दे देती है तब भी दैवी गुण की जीत होती है परंतु इस विजय–प्राप्ति से पूर्व दोनों प्रकार के गुणों का बड़ा भारी युद्ध होता है।

मनुष्य का शरीर तो मरने के लिए बना है, केवल विचार या खयाल जीवित रहता है। इन विचारों से वह देवलोक या इंद्रलोक बनता है, जहाँ पितृगण या मृत पूर्वज रहते हैं। भगवद्गीता के प्रथम अध्याय के श्लोक 42 में जिस पिंड आदि का उल्लेख है, उससे पूर्वजों की स्मृति कायम रखना अभीष्ट है। दुनिया में अंधकार और प्रकाश का, सफाई और गंदगी का, धर्म और अधर्म का युद्ध सदा से ही जारी है। जब लाखों फ्रांसीसी या जर्मन सिपाही मैदान में आमने–सामने आकर तलवार और गोले चलाते हैं तो वे व्यक्ति इतनी महत्ता नहीं रखते। असली लड़ाई तो दो गुणों के मध्य में होती है। एक देश दूसरे देश के साथ थोड़ा अन्याय करता है। इस अन्याय के विरुद्ध दूसरे देश में घृणा की आग भड़कती रहती है। दोनों विचारों की शक्ति बढ़ती है और एक दिन अन्याय तथा घृणा परस्पर युद्ध के लिए इकट्ठे होते हैं। महाभारत का युद्ध दुर्योधन के विरुद्ध नहीं, बल्कि रावण और कंस के विरुद्ध युद्ध की तरह दैत्य गुण के विरुद्ध था। सिख जब मुगल सेना से युद्ध करते थे तब उनके अंदर गुरु तेग बहादुर का कटा हुआ सिर लड़ता था, अर्थात् सिखों के दिलों में गुरु के हौतात्म्य या शहादत का भाव जोश भरता रहता था।

एक महापुरुष जब संसार में कोई नया विचार पैदा करता है, तो वह उस समय तात्कालिक सभी शक्तियों के विरुद्ध युद्ध की घोषणा करता है। यह विचार राजनीतिक स्वतंत्रता का भी हो सकता है और मजहबी स्वतंत्रता का भी। एक मनुष्य अपने व्यक्तित्व के आधार पर एक नया मजहब चलाता है। उसका विचार लाखों– करोड़ों मनुष्यों के दिमाग पर अधिकार जमाकर उन्हें अपना माध्यम बना लेता है। ऐसे ही विचारों ने संसार को नष्ट–भ्रष्ट कर दिया है। खयाल या विचार के सामने एक क्या, लाखों मनुष्यों के जीवन का कोई महत्त्व नहीं होता। एक मजहबी खयाल के प्रभुत्व के कारण कितने युद्ध हुए, कितने निर्दोष मारे गए, बेचारे मनुष्य पर क्या– क्या मुसीबतें आईं। अपने अंदर गंदगी जमा करके मनुष्य प्लेग या ताऊन जैसी बीमारी का बीज पैदा कर देता है, जो पूरे नगर या प्रांत में तबाही मचा देता है। बुरा खयाल या कुत्सित विचार भी ऐसा ही होता है। ईसा ने एक गुलाम कौम में जन्म लिया। उनकी शिक्षा भ्रातृत्व और भ्रातृ–प्रेम के भावों से भरी थी। शक्ति– संपन्न लोगों ने इन भावों को दबाना चाहा परंतु ईसा सफल हुए।

ईसा से पहले एक मनुष्य ने सामाजिक अन्याय के विरुद्ध अपना बलिदान कर दिया। रोम में दो गुलामों को लड़ाकर तमाशा देखने का बड़ा शौक था, वैसे ही जैसे हमारे देश में बैलों, बटेरों या मुरगों को लड़ाने का शौक पाया जाता था। यह लड़ाई बड़े–बड़े थिएटरों में हुआ करती थी। दोनों में से एक गुलाम के मारे जाने पर हजारों दर्शक खुश होते थे। एक बार यह तमाशा होने लगा। दोनों ओर से तलवारें चमक रही थीं कि अचानक एक वृद्ध दोनों के बीच में आकर खड़ा हो गया। बुड्ढा लहूलुहान होकर भूमि पर गिर पड़ा। परिणामस्वरूप यह तमाशा सदा के लिए बंद हो गया। यह आदमी शायद आर्केमेडीज था या आर्टेमेडीज । कुछ भी हो, इतनी बड़ी आसुरी शक्ति के विरुद्ध दैवी गुण ने चुपके से युद्ध किया और विजय प्राप्त की। –क्रमशः (हिफी)

सावन में कढ़ी और बैंगन बनाने से क्यों रोकते हैं बड़े–बुजुर्ग? वजह है बेहद दिलचस्प

सावन का महीना आते ही घरों में कई तरह के खान–पान के नियम अपनाए जाते हैं। दादी–नानी अक्सर इस दौरान कढ़ी और बैंगन बनाने से मना करती हैं। नई पीढ़ी इसे अंधविश्वास मान लेती है, लेकिन इसके पीछे धार्मिक मान्यताओं के साथ–साथ मौसम और सेहत से जुड़े कुछ कारण भी बताए जाते हैं।

धार्मिक मान्यता क्या कहती है?+ सावन भगवान शिव को समर्पित महीना माना जाता है। इस दौरान लोग सात्विक भोजन करते हैं और तला–भुना या भारी भोजन खाने से बचते हैं। मान्यता है कि इस महीने भगवान शिव को कच्चा दूध और दही अर्पित किए जाते हैं, इसलिए दूध, दही और उनसे बने व्यंजन जैसे कढ़ी का सेवन नहीं करना चाहिए। बारिश के मौसम से भी जुड़ा है कारण+ आयुर्वेद के अनुसार, सावन का समय बारिश का मौसम होता है। इस दौरान पाचन शक्ति सामान्य दिनों की तुलना में कमजोर हो सकती है। बैंगन को कुछ लोगों के लिए गैस या एलर्जी बढ़ाने वाला माना जाता है, जबकि दही से बनने वाली कढ़ी कुछ लोगों को नमी वाले मौसम में भारी महसूस हो सकती है। हालांकि, यह सभी पर समान रूप से लागू नहीं होता।

दादी–नानी का अनुभव भी है वजह+ पुराने समय में न तो आधुनिक खेती थी और न ही सब्जियों को लंबे समय तक सुरक्षित रखने की व्यवस्था। बारिश के मौसम में बैंगन में कीड़े लगने की संभावना अधिक रहती थी। वहीं दही जल्दी खट्टा हो जाता था। ऐसे में बुजुर्ग सावधानी के तौर पर इन चीजों से बचने की सलाह देते थे, जो धीरे–धीरे पारिवारिक परंपरा बन गई।